सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 152 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 17 मार्च 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

दुर्ग में प्रार्थना सभा का विरोध, बजरंग दल का हंगामा

दुर्ग। धर्मांतरण कराने का मामला सामने आया है। यहां करहीडीह बस्ती में रहने वाले एक ठाकुर परिवार के यहां प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया था। जैसे ही इसकी जानकारी बजरंग दल के लोगों को हुई, उन्होंने घर को घेर लिया और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। जेवरा सिरसा चौकी पुलिस मामले की जांच कर रही है। विश्व हिंदू परिषद के प्रांत अध्यक्ष संतोष गोलछा ने बताया कि करहीडीह बस्ती में उषा ठाकुर, किशोर ठाकुर के घर में रविवार को प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ था। वहां करीब 40-50 लोग मौजूद थे। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि ये लोग काफी लंबे समय से इसी तरह अपने घर में प्रार्थना सभा का आयोजन करते हैं और गरीब असहाय लोगों पर धर्मांतरण के लिए दबाव बनाते हैं।

विश्व हिंदू परिषद के विभाग मंत्री अनिल गुर्जर ने बजरंग दल को धर्मांतरण कराने वाले लोगों पर कड़ी नजर रखने के लिए कहा था। इसके चलते बजरंगियों ने किशोर ठाकुर के ऊपर नजर बनाई और उन्हें पता चला कि रविवार को उसने फिर से प्रार्थना सभा का आयोजन किया है। जब वो लोग वहां पहुंचे तो देखा कि किशोर ठाकुर के निवास में 40-50 हिंदू परिवार को बुलाकर प्रार्थना की आड़ में उनका धर्मांतरण कराया जा रहा था।

सीएसपीडीसीएल कार्यालय परिसर में भीषण आग, इलाके में हड़कंप

रायगढ़। कोतरा रोड थाना क्षेत्र के पास स्थित सीएसपीडीसीएल कार्यालय (क्षेत्रीय भंडार) में सोमवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि चारों ओर धुआं फैल गया और स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग की लपटें आसपास के इलाकों तक पहुंच गईं, जिससे गजानंदपुरम कॉलोनी में हड़कंप मच गया। लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकलने लगे। कई लोग अपने छोटे बच्चों को गोद में उठाकर सुरक्षित स्थान की ओर भागे। पुलिस और दमकल विभाग की टीमों ने स्थानीय निवासियों को घरों से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर भेजने का काम किया।

छत्तीसगढ़ में 67 नई शराब की दुकानें खोली जाएंगी

रायपुर। राज्य सरकार 1 अप्रैल से नई आबकारी नीति 2025—26 लागू करने जा रही है। नई आबकारी नीति के तहत शराब विक्रय सहित कई अन्य चीजों में बदलाव देखने को मिलेगा। वहीं, नई आबकारी नीति के तहत प्रदेश में 67 नए शराब दुकान खुलेंगे। 67 नए दुकानों के साथ प्रदेश में शराब दुकानों की कुल संख्या अब 741 हो जाएगी। नए दुकान खुलने के बाद छत्तीसगढ़ सरकार को साढ़े 12 हजार करोड़ क अनुमानित राजस्व प्राप्त होगा। मिली जानकारी के अनुसार आबकारी नीति 2025-26 के तहत अब प्रीमियम शॉप्स के संचालन का फैसला लिया गया है। साथ ही देसी शराब में मिलावट रोकने के लिए सीलबंद पेटी में सप्लाई करने किया जाएगा और बोतलों में बारकोड भी लगाया जाएगा। साथ ही शराब दुकानों को एक जिले से दूसरे जिले में ट्रांसफर किया जा सकेगा।

चंद्रयान-5 मिशन को केंद्र की मंजूरी: चंद्रमा की सतह को जानने के लिए 250 किलो का रोवर ले जाएगा

इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) चीफ वी नारायणन ने दी जानकारी

श्रीहरिकोटा ए.। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) को चंद्रयान-5 मिशन को मंजूरी मिल गई है। केन्द्र सरकार ने इसरों को इसकी मंजरी दे दी है। इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने रविवार को इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि अभी तीन दिन पहले ही इसरो को चंद्रयान-5 मिशन के लिए मंजूरी मिली है। चंद्रयान-5 मिशन में जापान सहयोग करेगा। चंद्रयान-3 मिशन के लिए 25 किलोग्राम का रोवर (प्रज्ञान) ले जाया गया था, जबकि चंद्रयान-5 मिशन चंद्रमा की सतह का अध्ययन करने के लिए 250 किलोग्राम वजनी रोवर ले जाएगा।

बता दें इसरो ने चंद्रयान-1 ने साल 2008 में सफ्लतापूर्वक चांद की सतह पर रसायन, खनिजों की खोज की थी और चांद की भू-स्थैतिक मैपिंग भी की थी। चंद्रयान-2 मिशन ने अपने उद्देश्य के 98 प्रतिशत काम को अंजाम दिया था। चंद्रयान मिशन-3 के जरिए चांद की सतह पर सफल लैंडिंग और रोवर से चांद की सतह के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। चंद्रयान-2 मिशन के तहत भेजा गया रिजोल्यूशन कैमरा अभी भी चांद की सैंकड़ों तस्वीरें भेज रहा है। वहीं केन्द्र सरकार ने चंद्रयान-4 मिशन को भी मंजूरी दे रखी है जिस पर इसरो फ्लिहाल काम कर रहा है। इस बीच इसरो को चंद्रयान 5 की भी मंजूरी मिल गई।

जापान के साथ मिलकर पूरा करेंगे चंद्रयान-5 मिशन

इसरो प्रमुख वी नारायणन ने कहा कि अभी तीन दिन पहले ही हमें चंद्रयान-5 मिशन के लिए मंजूरी मिली है। हम इसे जापान के साथ मिलकर करेंगे। चंद्रयान-4 मिशन के 2027 में लॉन्च होने की उम्मीद है, जिसका उद्देश्य चंद्रमा से एकत्र किए गए नमूने लाना है। इसरो की भविष्य की परियोजनाओं के बारे में नारायणन ने कहा कि गगनयान सहित विभिन्न मिशनों के अलावा, भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन- भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की योजनाएं चल रही हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने हाल ही में अपने अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग - स्पैडेक्स की सफ्ल अनडॉकिंग करने में भी सफलता हासिल की। इससे चंद्रयान-4 और अन्य भविष्य के मिशनों के लिए मंच तैयार हो गया। प्रोजेक्ट के बारे में नारायणन ने कहा- 2027 में लॉन्च होने वाले चंद्रयान-4 मिशन का मकसद चंद्रमा की मिट्टी के नमूने लाना है। वहीं, गगनयान सहित कई मिशनों के अलावा अंतरिक्ष में भारत का अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करने की योजनाओं पर काम चल रहा है।

सितंबर, 2024 में मिली थी चंद्रयान-4 मिशन को मंजूरी

कैबिनेट ने पिछले साल सितंबर में चंद्रयान-4 मिशन को मंजूरी दी थी। इस मिशन का उद्देश्य स्पेसक्राफ्ट को चंद्रमा पर उतारना, चंद्रमा की मिट्टी और चट्टानों के सैंपल इकट्ठा करना और उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाना है। इस मिशन पर 2104 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इस स्पेसक्राफ्ट में पांच अलग-अलग मॉड्यूल होंगे। जबकि, 2023 में चंद्रमा पर भेजे गए चंद्रयान-3 में प्रपल्शन मॉड्यूल (इंजन), लैंडर और रोवर तीन मॉड्यूल थे। चंद्रयान-4 के स्टैक 1 में लूनर सैंपल कलेक्शन के लिए एसेंडर मॉड्यूल और सतह पर लूनर सैंपल कलेक्शन के लिए डिसेंडर मॉड्यूल होगा। स्टैक 2 में थ्रस्ट के लिए एक प्रपल्शन मॉड्यूल, सैंपल होल्ड के लिए ट्रांसफर मॉड्यूल और सैंपल को पृथ्वी पर लाने के लिए री-एंट्री मॉड्यूल शामिल रहेगा। मिशन में दो अलग-अलग रॉकेट का इस्तेमाल होगा। हैवी-लिफ्टर एलवीएम-3 और इसरो का रिलायबल वर्कहॉर्स पीएसएलवी अलग-अलग पेलोड लेकर जाएंगे।

चंद्रयान-4 के 2 मॉड्यूल चांद की सतह पर जाएंगे

चंद्रयान-4 मिशन कई स्टेज में पूरा होगा। चांद की कक्षा में पहुंचने के बाद मुख्य स्पेसक्राफ्ट से 2 मॉड्यूल अलग होकर सतह पर लैंड करेंगे। दोनों ही मॉड्यूल चांद की सतह से नमूने इकट्ठा करेंगे। फिर एक मॉड्यूल चांद की सतह से लॉन्च होगा और चांद की कक्षा में मुख्य स्पेसक्राफ्ट से जुड़ जाएगा। नमूनों को धरती पर वापस आने वाले स्पेसक्राफ्ट में ट्रांसफर करके भेजा जाएगा। इसरो के वैज्ञानिक चांद की सतह से नमूने उठाने वाला रोबोट तैयार कर रहे हैं। गहराई तक ड्रिल करने तकनीक पर काम हो रहा है। नमूने इकट्ठा करने के लिए कंटेनर और डॉकिंग मैकेनिज्म की तकनीक विकसित की जा रही है।

रायपुर निगम में एमआईसी मेंबर की घोषणा नए-सीनियर पार्षदों के बीच बना समीकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर में मेयर इन काउंसिल (एमआईसी) के सदस्यों की नामों की घोषणा हो गई है। एमआईसी में नए और पुराने पार्षदों का समीकरण देखने को मिला। सीनियर पार्षदों में उप नेता प्रतिपक्ष रहे मनोज वर्मा, दीपक जायसवाल, सरिता दुबे के नाम लिस्ट में हैं। वहीं नए पार्षदों में खेम कुमार सेन, संतोष साहू, जैसे पहली बार पार्षद बने कैंडिडेट के नाम शामिल है।

रायपुर निगम में 70 वार्ड पार्षद हैं। वार्ड के अनुपात में 20 प्रतिशत पद एपआईसी के लिए निश्चित किए गए हैं इसके अनुसार 14 अलग-अलग विभाग तय किए जाएंगे। हर विभाग के अध्यक्ष के रूप में एक एमआईसी सदस्य नियुक्त किए जाएंगे। इनमें लोक कर्म, स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण हैं।

निगम में कैबिनेट की तरह काम करती है एमआईसी

नगर निगम में एमआईसी सदस्यों की भूमिका और जिम्मेदारी महत्वपूर्ण होती है। राज्य में जिस तरह मंत्रियों की भूमिका होती है। उसी तरह नगर निगम में एमआईसी सदस्यों की भूमिका कैबिनेट की तरह होती है। एमआईसी गठन का अधिकार महापौर को होता है। अब आगे महापौर तय करेंगी किसे कौन सा विभाग मिलता है।

रायपुर में होंगे 14 एमआईसी मेंबर, सभी के विभाग तय

दीपक जायसवाल लोककर्म विभाग, डॉ. अनामिक सिंह सामान्य प्रशासन, मनोज वर्मा नगरीय नियोजन एवं भवन अनुज्ञा, मनोज अवतार बगल राजस्व, संतोष साहू जल कार्य विभाग, गायत्री चन्द्राकार लोक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग, सुमन अशोक पांडे, विद्युत एवं अभियांत्रिकी, महेंद्र खोडियार वित्त लेखा अंकीक्षण विभाग, खेम कुमार सेन शहरी गरीबी उपशमन एवं समाज कल्याण विभाग, सरिता दुबे महिला बाल विकास, संजना हियाल अनुसूचित जाति एवं जनजाति, अमर गिदवानी संस्कृति विभाग, नंद किशोर साहू खेल कूद युवा कल्याण व भोला साहू को पर्यावरण विभाग दिया गया है।

रायपुर के आईटीबीटी कैंप में चली गोली, सिपाही ने एएसआई को मारी गोली, मौके पर मौत

- **खरोरा थाना क्षेत्र का मामला, आरोपी सिपाही गिरफ्तार**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर से एक बड़ी खबर सामने आई है। राजधानी के खरोरा मुड़ीपार स्थित आईटीबीटी कैंप में गोलीकांड ने सनसनी फैला दी है। यहां पर एक सिपाही ने अपने से बड़े अधिकारी एएसआई को गोली मार दी है। इससे एएसआई की मौके पर ही मौत हो गई है। घटना की जानकारी सामने आने के बाद हड़कंप मच गया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

मिला जानकारी के अनुसार यह पूरा मामला खरोरा थाना क्षेत्र का है। रायपुर के मुड़ीपार स्थित भारत तिब्बत सीमा सुरक्षा बल (आईटीबीटी 38वीं बटालियन) कैंप में कॉन्स्टेबल ने एएसआई रैंक के अधिकारी को गोली मार दी। बिहार निवासी सिपाही सरोज सिंह (34) ने एएसआई देवेंद्र सिंह दहिया (51) को गोली मार दी। सिपाही ने एएसआई पर गोली क्यों चलाई यह पता नहीं चल पाया है। घटना की जानकारी मिलने पर खरोरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची है। आरोपी सिपाही को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मौके पर आईटीबीटी के उच्च अधिकारी भी पहुंच गए।

कांगेर वैली नेशनल पार्क अब वर्ल्ड हेरिटेज की स्थायी सूची में होगा शामिल

लोकसभा में केंद्रीय मंत्री ने प्रस्ताव भेजने की दी जानकारी

नई दिल्ली/रायपुर। लोकसभा में सोमवार को केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने छत्तीसगढ़ के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान (कांगेर वैली नेशनल पार्क) को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज स्थायी सूची (परमानेंट लिस्ट) में शामिल करने के लिए इस वर्ष प्रस्ताव भेजे जाने की जानकारी दी। हाल ही में यूनेस्को ने कांगेर वैली को वर्ल्ड हेरिटेज की आस्थाई सूची में शामिल किया है।

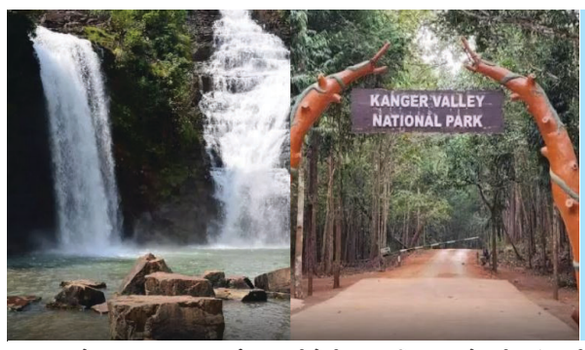

यह घोषणा उस समय हुई जब बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने उड़ीसा की जगन्नाथ यात्रा को यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सूची में शामिल करने की मांग की। इसके जवाब में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि इस वर्ष भारत ने छह स्थलों के नाम यूनेस्को को भेजे हैं, जिनमें छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले का कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान भी शामिल है।

प्राकृतिक सौंदर्य से है परीपूर्ण

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में स्थित है और यह अपनी जैव विविधता, घने जंगलों और अद्भुत गुफाओं के लिए प्रसिद्ध है। इस उद्यान का नाम यहाँ बहने वाली कांगेर नदी से लिया गया है। यह लगभग 200 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है और 1982 में इसे राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा मिला। यह क्षेत्र साल, सागौन और बाँस के वृक्षों से आच्छादित है और यहाँ 555 से अधिक शाकाहारी प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से 45 दुर्लभ हैं।

क्षेत्रीय पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

पर्यटन के लिहाज से भी कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान बेहद महत्वपूर्ण है। यहाँ की कुटुम्बसर, कैलाश और डंडक गुफाएँ भूवैज्ञानिक संरचनाओं के लिए प्रसिद्ध हैं, जबकि तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर धारा और भैंसा दरहा जैसे स्थल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। यह क्षेत्र न केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है बल्कि संरक्षण और अनुसंधान के लिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज सूची में अंतिम रूप से स्थान मिल जाता है, तो इससे क्षेत्रीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और संरक्षण के प्रयासों को और मजबूती मिलेगी। इसके साथ ही, यह छत्तीसगढ़ को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाएगा।

गडकरी ने फिर से कही दिल की बात

श्रीकंचनपथ

पूरा देश जहां सिंहासन की लड़ाई में उलझा हुआ है वहीं केन्द्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी अलग ही चल रहे हैं। देश के लगभग सभी नेता कुर्सी की इस दौड़ में किसी भी सीमा तक जाने को तैयार हैं। भले ही देश में दंगे-फसाद हो जाएं, भले ही नागरिकों के एक हस्से को रोजी-रोटी के लिए मोहताज होना पड़े, पर इससे उनके मंसूबों पर कोई फर्क नहीं पड़ता। इन मूर्खों को यह तक नहीं पता कि अपने ही घर में अलग-थलग किये जाने पर किसी भी व्यक्ति के सामने मरने-मारने के अलावा कोई और चारा नहीं रह जाता। फिर पूरा समाज ही असुरक्षित हो जाता है। ऐसे समय में नितिन गडकरी मजबूती के साथ अपनी बात रखते हैं। वे एक बार फिर से दोहराते हैं, 'जो करेगा जात की बात, उसको मारूंगा कस के लात।' नागपुर में एक अल्पसंख्यक संस्थान के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने अपनी इस बात को दोहराया। उन्होंने कहा, वे धर्म और जाति की बातें सार्वजनिक रूप से नहीं करते। चाहे चुनाव हार जाएं या मंत्री पद चला जाए, अपने इस सिद्धांत पर अटल रहेंगे। मंत्री पद नहीं मिला तो मर नहीं जाएंगे। कदाचित गडकरी आजाद भारत की पहली और दूसरी पीढ़ी के नेताओं की तरह हैं जिनके सामने एकमात्र लक्ष्य देश का विकास करना था। यही कारण है कि आजादी के बाद की पहली सरकार ने डेढ़ दशक के अपने कार्यकाल में देश को एम्स, आईआईटी, इसरो, बार्क, आईआईएम जैसे चोटी के संस्थान दे दिए, पांच बड़ी इस्पात परियोजनाएं दे दीं। भाखड़ा नांगल बांध, सरदार सरोवर बांध, हीराकुंड बांध, नागार्जुन सागर बांध, कोयना बांध, टिहरी बांध जैसी बड़ी बड़ी बांध परियोजनाएं देश को दीं। इस्पात नगरियां, खनिज नगरियां बसीं तो शिक्षा का प्रचार प्रसार शुरू हुआ। चिकित्सा और वकालत के साथ-साथ इंजीनियरिंग की पढ़ाई देश में शुरू हुई। बाद के वर्षों में देश के तीव्र विकास की यही चाभियां थीं। गडकरी के भाषण में भी इसकी झलक दिखाई देती है। वे कहते हैं कि उन्होंने अपने तरीके से काम करने का फैसला किया है। उन्हें इस बात की चिंता नहीं है कि कौन उन्हें वोट देगा। उन्होंने बताया कि एमएलसी रहते हुए उन्होंने एक इंजीनियरिंग कालेज की अनुमति अंजुमन-ए-इस्लाम संस्थान को ट्रांसफर कर दी। उन्हें लगा कि मुस्लिम समुदाय को इसकी ज्यादा जरूरत है। उनका मानना था कि अगर मुस्लिम समुदाय से ज्यादा इंजीनियर, आईपीएस और आईएएस अफसर बनेंगे तो सबका विकास होगा। उनका दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा जीवन को बदल सकती है। पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को एक उदाहरण की तरह प्रस्तुत करते हुए वे कहते हैं कि आज अंजुमन-ए-इस्लाम के बैनर तले हजारों छात्र इंजीनियर बन चुके हैं। अगर उन्हें पढ़ने का मौका नहीं मिलता, तो कुछ नहीं हो पाता। शिक्षा की यही ताकत है। यह जीवन और समुदायों को बदल सकती है। कर्म उत्तम हों तो जाति कदापि मायने नहीं रखती।

संपादकीय

जरूरत से ज्यादा धान खरीदने का मतलब है ज्यादा नुकसान

सरकार किसी भी राजनीतिक दल की हो अगर उसको आर्थिक नुकसान उठाकर राजनीतिक फायदा होता है तो वह राजनीतिक फायदे के लिए आर्थिक नुकसान उठाना पसंद करती है। कोई सरकार यह करती नहीं है कि आर्थिक नुकसान हो रहा है तो वह राजनीतिक फायदा न उठाए। होता यह है कि राजनीतिक दल सत्ता में है तो वह राजनीतिक फायदे को ज्यादा महत्व देता है। वही राजनीतिक दल जब सत्ता में नहीं होता है और विपक्ष में होता है तो उसके लिए राजनीतिक फायदे से आर्थिक नुकसान ज्यादा बड़ा मुद्दा हो जाता है। आज छत्तीसगढ़ में भाजपा सत्ता में है। जो सत्ता में होता है, उसकी राजनीतिक मजबूरी भी होती है।उसे निरंतर साबित करना पड़ता है कि हम पिछली सरकार से ज्यादा अच्छा काम कर रहे हैं। हर साल सरकार को ज्यादा किसानों से ज्यादा पैसे में प्रति एकड़ ज्यादा धान खरीदना राजनीतिक मजबूरी है, जिस राजनीतिक दल की सरकार होगी उसे ऐसा करना पड़ेगा। जो ऐसा नहीं करेगा तो अगला चुनाव वह जीत नहीं सकता।

इस बार भाजपा ने कांग्रेस से 2800 रुपए प्रति क्विंटल के जवाब में 3100 रुपए प्रति क्विंटल, प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदने का वादा किया और इसी आधार पर चुनाव जीत लिया। दो राजनीतिक दलों के बीच ज्यादा पैसे में ज्यादा धान और ज्यादा किसानों से धान खरीदने की होड़ के कारण किसानों को तो हर साल ज्यादा पैसा मिल रहा है, किसानों का ज्यादा धान खरीदा जा रहा है हर साल ज्यादा किसानों से धान खरीदा जा रहा है। इस होड़ में सत्तारूढ़ दल की सरकार चाहे भी तो अब वह न तो किसानों की संख्या कम कर सकती है, न ही प्रति क्विंटल कम पैसा दे सकती है, न ही प्रति एकड़ कम धान खरीद सकती है, वह जितने किसानों से धान खरीदी गई है, जितने पैसे में खरीद रही है और जितना धान खरीद रही है। उतना ही वह अगले साल खरीदेगी तो उसकी आलोचना विपक्ष शुरू कर देगा कि यह सरकार किसान हितैषी नहीं है क्योंकि यह तो न ज्यादा धान खरीद रहा है, न ज्यादा किसानों से खरीद रहा है और न ही धान का ज्यादा पैसा दे रहा है।

> रमन सरकार के समय से ज्यादा किसानों का ज्यादा धान ज्यादा कीमत पर खरीदा जा रहा है। रमन सिंह सरकार से धान का ज्यादा पैसा देने, ज्यादा धान खरीदने का वादा चुनाव में करने पर कांग्रेस सरकार बनी। भूपेश सरकार ने पांच साल ज्यादा पैसा देकर ज्यादा किसानों का ज्यादा धान खरीदा। रमन सिंह के समय धान का पैसा 2100 रुपए मिल रहा था तो भूपेश बघेल ने चुनाव में किसानों से वादा किया वह किसानों को धान का 2500रुपए देगी। फिर चुनाव का समय आया तो भूपेश सरकार को फिर धान की कीमत में ज्यादा देने का वादा करना पड़ा और ज्यादा धान खरीदने का वादा भी करना पड़ा।

सरकार अगर पांच साल ऐसा करती है तो उसका अगला चुनाव जीतना संभव नहीं है। इसलिए सरकार भाजपा की हो या कांग्रेस की हो, उसको तो हर साल ज्यादा धान खरीदना है, प्रति एकड़ ज्यादा खरीदना है और ज्यादा पैसा भी किसानों को देना ही है। अभी सत्ता में भाजपा की सरकार है, उसने 25 लाख किसानों से 149 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा है, उसका लक्ष्य तो 160लाख मी. टन खरीदना था। यानी लक्ष्य से कम किसानों से कम धान खरीदा है सरकार ने फिर भी उसके पास अतिशेष धान 40 लाख मी. टन बच रहा है।अतिशेष धान का मतलब है कि सरकार जितना धान खपा सकती है, उससे ज्यादा धान सरकार ने खरीदा है तो उसे महंगे दाम में खरीदा गया धान कहीं खपत नहीं होने के कारण अब नीलाम करना होगा यानी महंगे में खरीदा गया धान सस्ते में बेचना होगा। आंकड़ों के मुताबिक सरकार ने धान किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल खरीदा है।500 रुपए संग्रहण व्यय व ब्याज आदि मिलाकर धान की लागत हो जाती है प्रति क्विंटल 3600 रुपए। सरकार को एक क्विंटल धान 3600 रुपए का पड़ता है।माना जा रहा है कि अतिशेष 40 लाख मी.टन धान की नीलामी सरकार करती है तो उसे 8 हजार करोड़ का नुकसान होगा।

कांग्रेस का कहना है कि यह बड़ी रकम है,यह राज्य के बजट का पांच प्रतिशत होता है। ऐसा किया गया तो राज्य को बड़ा नुकसान होगा। ऐसा नहीं करना चाहिए और केंद्र सरकार से राज्य सरकार को अनुरोध करना चाहिए कि वह राज्य का अतिशेष धान भी खरीदे क्योंकि केंद्र व राज्य में एक ही पार्टी की सरकार है, इसलिए ऐसा होना संभव है। कांग्रेस ने यह तर्क भी दिया है कि केंद्र की मोदी सरकार पंजाब से 179 मी.लाख टन धान से होने वाला पूरा चावल ले रही है तो वह छत्तीसगढ़ में जितना धान खरीदा गया है, उसका पूरा चावल क्यों नहीं ले रही है। कांग्रेस का मकसद धान खपत के मामले को उठाकर दोनों सरकार को फेल बताना है। वह यह तो बता रही है कि पंजाब से केंद्र सरकार ज्यादा धान होने के बाद भी पूरा चावल ले रही है लेकिन यह नहीं बता रही है कि छत्तीसगढ़ से केंद्र सरकार ज्यादा चावल क्यों नहीं ले रही है। इसकी वजह यह हो सकती है कि पंजाब का चावल छत्तीसगढ़ के चावल से बेहतर किस्म का हो।

यह भी सच है कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ सरकार से पिछली बार जितना चावल ली थी, उतना चावल भी नहीं ले रही है तो इसकी वजह यह है कि सरकार समय पर चावल ही नहीं दे पाती है। आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 22-23 में 107 लाख मी.टन धान का उठाव किया गया था,इसमें 58.11 लाख मी.चावल सेंट्रल पूल मे जमा हुआ था।वर्ष 23-24 में 144.16लाख मी.टन धान उठाया गया। जिसमें से केंद्र सरकार ने 82.42 लाख मी.टन चावल जमा करने की अनुमति दी। इसमें से 77.06लाख मी.टन चावल सेंट्रल पूल में जमा किया जा चुका है। जबकि 5.29 लाख मी.टन चावल अभी और जमा किया जाना है। वर्ष 24-25 के लिए केंद्र सरकार ने 69.72 लाख मी. टन चावल जमा करने की अनुमति दी है।इसके लिए 108 लाख मी. टन धान लगेगा यानी सरकार के पास खरीदे गए धान में 40 लाख मी.टन बच जाएगा। साय सरकार ने इसी धान को खुले बाजार मे नीलाम कर बेचने का फैसला किया है, विपक्ष का आरोप है कि इससे राज्य को आठ हजार करोड़ रुपए का नुकसान होगा।

आज कांग्रेस को राज्य के नुकसान की बड़ी चिंता हो रही है, वह भूल गई है कि इसी तरह केंद्र सरकार ने उससे भी ज्यादा चावल लेने से मना कर दिया था तो उसे भी 2500 प्लस संग्रहण व ब्याज आदि मिलाकर 3100 में खरीदा गया धान 1200-1300 रुपए प्रति क्विंटल बेचना पड़ा था और उसे भी धान खरीदी में बड़ा घाटा हुआ था। तब कांग्रेस के भूपेश बघेल सहित किसी नेता ने राज्य को होने वाले नुकसान की चिंता नहीं की थी।तब उनको अपने राजनीतिक फायदे की ज्यादा चिंता थी। कांग्रेस यह भी भूल गई है कि जितना धान खरीदने की जरूरत है।उससे ज्यादा धान खरीदने, ज्यादा किसानों से खरीदने व ज्यादा पैसे में खरीदने की शुरुआत भी तो उसी ने की है। राजनीतिक फायदे के लिए मजबूरी में भाजपा को भी वही करना पड़ा है। कांग्रेस ने जो सिलसिला शुरु किया है, उसे कोई बंद नहीं कर सकता। कोई भी सरकार हो वह जरूरत से ज्यादा धान राजनीतिक फायदे के लिए

नाम चमकाने रोहित शर्मा पर टिप्पणी

अजीत द्विवेदी

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को लेकर बहस छिड़ी है। निकट अतीत में शायद ही कोई ऐसा खिलाड़ी होगा, जिसको लेकर इतनी बार बहस और विवाद हुए होंगे। अभी ज्यादा समय नहीं बीता, जब उनको मुंबई की आईपीएल टीम के कप्तान के पद से हटाने पर विवाद हुआ था। टेस्ट क्रिकेट में कप्तान रहते ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट से बाहर किए जाने का विवाद भी पुराना नहीं है।

टी-20 से संन्यास लेने पर भी विवाद हुआ, जो अब तक चल रहा है। परंतु दूसरी ओर रोहित शर्मा इस देश के लोगों का सबसे ज्यादा प्यार और समर्थन पाने वाले खिलाड़ियों में भी शामिल हैं। लोग उनकी बैटिंग के दिवाने हैं तो फील्ड में उनकी मौजूदगी, उनके हावभाव, कप्तानी करने का तरीका भी लोगों के चेहरे पर मुस्कान ला देता है। इस बार वे एक अलग किस्म की बहस में घिरे हैं। कांग्रेस पार्टी की एक अनजान सी प्रवक्ता ने अपना नाम चमकाने के लिए रोहित शर्मा पर टिप्पणी की। शमा मोहम्मद नाम की इस प्रवक्ता ने कहा कि रोहित मोटे हैं और भारत के सबसे असफल कप्तानों में से एक हैं।

सोशल मीडिया में की गई उनकी टिप्पणी को लेकर देश, समाज, राजनीति और मीडिया बंटे हुए हैं। हालांकि क्रिकेट बिरादरी में इस पर एक राय है कि यह बेहूद बयान है, जिसके पीछे कोई तर्क या तथ्य नहीं है। बाकी देश, राजनीति, समाज और मीडिया खास कर सोशल मीडिया में जो बहस और वैचारिक विभाजन है वह इस बयान की गुणवत्ता पर नहीं है। वहां बहस मोटे तौर पर राजनीतिक, जातीय और सांप्रदायिक हो गई है। एक बड़ा वर्ग शमा मोहम्मद के पक्ष में यह कह कर खड़ा हुआ है कि रोहित शर्मा ब्राह्मण हैं और शमा मोहम्मद मुस्लिम हैं इसलिए ब्राह्मणवादी व सांप्रदायिक मीडिया इस पर आपत्ति कर रहा है, अन्यथा इस बयान में कुछ भी गलत नहीं है।

हालांकि कांग्रेस पार्टी ने अपनी प्रवक्ता का पोस्ट डिलीट करा दिया है लेकिन उसकी प्रवक्ता का समर्थन करने वाला वर्ग वही है, जो राहुल गांधी के जाति नैरेटिव का समर्थन करता है और मीडिया से लेकर नौकरशाही और यहां तक की मिस इंडिया में भी आबादी के अनुपात में प्रतिनिधित्व खोजता है। दूसरी ओर रोहित का समर्थन करने वाला एक बड़ा वर्ग उनके पक्ष में आंकड़े और तर्क पेश कर रहा है लेकिन एक वर्ग निश्चित रूप से ऐसा है, जो मुस्लिम और पाकिस्तान का मुद्दा इसमें घुसा रहा है। हकीकत यह है कि रोहित शर्मा को इन दोनों में से किसी के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। भारत ही नहीं, बल्कि विश्व क्रिकेट के सर्वकालिक महान बल्लेबाजों में से एक सुनील गावसकर ने क्रिकेटिंग लॉजिक्स के हिसाब से रोहित शर्मा का पक्ष रखा है और कांग्रेस प्रवक्ता के बयान को गैरजरूरी और गलत बताया है।

असल में कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने बयान जिस मकसद से दिया था उनका वह मकसद पूरा हो गया है। देश भर के लोग उनका नाम जान गए हैं। उनके नाम पर बहस हो रही है। उनके मुस्लिम होने भर से उनके बयान के गुणदोष में गए बिना भाजपा विरोधी इकोसिस्टम उनका समर्थन और बचाव कर रहा है। यह स्थापित किया जा रहा है कि मुस्लिम होने की वजह से उनको निशाना बनाया जा रहा है। लेकिन क्या सचमुच ऐसा है? और जो उन्होंने कहा है क्या उसकी पड़ताल नहीं होनी चाहिए? उन्होंने जो कहा है और जो लोग भी उनका बचाव कर रहे हैं, उन सबको इस बयान के असली मकसद के बारे में जानना चाहिए और यह भी जानना चाहिए कि तथ्यात्मक रूप से यह कितना गलत है। कांग्रेस प्रवक्ता ने यह बयान सिर्फ लाइमलाइट में आने के लिए दिया यह मानने का आधार यह तथ्य है कि इससे पहले क्रिकेट पर उन्होंने कोई सोशल मीडिया पोस्ट नहीं डाली है।

उनके एक्स हैंडल पर कई महीनों में कोई पोस्ट क्रिकेट या किसी खिलाड़ी को लेकर नहीं आई है, जबकि इस दौरान खूब क्रिकेट खेली गई है। विवाद के बाद ऑस्ट्रेलिया पर भारत की जीत की बधाई उन्होंने जरूर दी है लेकिन उससे पहले इसी टूर्नामेंट में पाकिस्तान या न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत पर उनकी कोई पोस्ट नहीं है। अगर वे क्रिकेट की प्रशंसक होतीं और क्रिकेट से जुड़े पोस्ट डाल रही होतीं तो उनकी इस पोस्ट पर कोई सवाल नहीं उठता। चूंकि यह एक रैंडम पोस्ट है। इसलिए जाहिर है कि ध्यान खींचने के लिए यह लिखा गया। अब रही बात रोहित शर्मा के मोटे होने की तो यह एक तथ्य है, जिससे कोई इनकार नहीं कर सकता है। इसके बावजूद रोहित शर्मा टीम में चुने जाने के लिए सारे जरूरी फिटनेस टेस्ट पास करते हैं तभी उनको चुना जाता है।

इन दिनों चयन समिति के पास नाम जाने से पहले सभी खिलाड़ियों को मुश्किल फिटनेस टेस्ट से गुजरना होता है। वे टीम में चुने जा रहे हैं इसका मतलब है कि फिटनेस टेस्ट पास कर रहे हैं। इसलिए उनके वजन या उनकी शारीरिक संरचना पर सवाल उठाना ठीक नहीं होगा। यह एक तरह से उनकी शारीरिक संरचना का जिक्र करके उनका मजाक उड़ाना या उनका अपमान करना है। इसी तरह की शारीरिक संरचना वाले सरफराज खान या कुलदीप यादव या मोहम्मद समी जैसे कई खिलाड़ी भारतीय टीम में हैं। कई सर्वकालिक महान खिलाड़ी इसी शारीरिक संरचना वाले रहे हैं। श्रीलंका को विश्व कप जिताने में सबसे बड़ी भूमिका निभाने वाले अर्जुन रणातुंगा और अरविंद डिसिल्वा या पाकिस्तान को विश्व कप जिताने में बड़ी भूमिका निभाने वाले इंजामामुल हक और जावेद मियांदाद को जिसने खेलते देखा है वह रोहित शर्मा के बारे में ऐसी बातें नहीं कर सकता है।

शेन वॉर्न और उनसे पहले डेविड बून, मैथ्यू हेडन, ग्राहम गूच, एलन बॉर्डर तक सैकड़ों खिलाड़ियों की मिसाल दी जा सकती है, जो शमा मोहम्मद के मोटापे की परिभाषा के दायरे में आते हैं। लेकिन सबने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बड़ा मुकाम बनाया, जैसा कि रोहित शर्मा ने बनाया है। क्रिकेट कौशल का खेल है इसलिए खिलाड़ियों को उस कसौटी पर कसना चाहिए। एक खिलाड़ी और कप्तान के रूप में रोहित शर्मा का रिकॉर्ड ऐसा है, जो उनको सर्वकालिक महान खिलाड़ी और सर्वकालिक महान कप्तान की श्रेणी में शामिल कराता है। उनको असफल कप्तान कहने वाली कांग्रेस की प्रवक्ता को शायद पता नहीं होगा कि रोहित क्रिकेट इतिहास के इकलौते कप्तान हैं, जो अपनी टीम को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कौंसिल यानी आईसीसी की हर टूर्नामेंट के फाइनल में लेकर गए हैं। उनकी कप्तानी में भारत वनडे क्रिकेट के फाइनल में पहुंचा और टी20 क्रिकेट का विश्वकप जीता।

उनकी कप्तानी में टीम अभी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची है। उनकी कप्तानी में भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी पहुंचा था। इसके अलावा उनकी कप्तानी में भारत दो बार एशिया कप जीत चुका है। एक खिलाड़ी के रूप में रोहित वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। उनसे ऊपर सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली हैं। इसी टूर्नामेंट में रोहित वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विश्व में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा दोहरा शतक उनके नाम से है। क्रिकेट विश्व कप में सबसे ज्यादा शतक उनके नाम से है। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक भी उनके नाम है। एक विश्व कप में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने करीब 20 हजार रन बनाए हैं।

वे दुनिया के इकलौते कप्तान हैं, जिन्होंने 50 टी20 मैच जीते हैं। उनकी कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने पांच आईपीएल ट्रॉफी जीती है। क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में रोहित शर्मा ने 141 मैचों में कप्तानी की है, जिनमें से भारत 102 में जीता है, 33 में हारा है, तीन मैच ड्रॉ हुए हैं, दो टाई हुए हैं और दो का नतीजा नहीं निकला है। कप्तान के तौर पर उनकी जीत का औसत 72 फीसदी से ऊपर का है। एक कप्तान के तौर पर रोहित की उपलब्धियां सिर्फ आंकड़ों में नहीं है। उन्होंने टीम का निर्माण किया है। जिस तरह महेंद्र सिंह धोनी को सौरव गांगुली की बनाई एक विश्वस्तरीय टीम मिली थी वैसी टीम रोहित को नहीं मिली थी। धोनी ने विश्व कप जीतने के बाद टीम में जाने अनजाने में गुटबाजी को ऐसे बढ़ावा दिया था, जिससे पूरी टीम बिखर गई थी। तभी गौतम गंभीर और विराट कोहली दोनों बतौर कप्तान असफल रहे। रोहित शर्मा ने तिनका तिनका कर टीम जोड़ी है। उन्होंने खिलाड़ियों पर भरोसा दिखाया। अपने व्यवहार और अपने प्रदर्शन से टीम को रास्ता दिखाया, उसका नेतृत्व किया। यह अनायास नहीं था कि भारत के सर्वकालिक महान स्पिन गेंदबाजों में से एक रविचंद्रन अश्विन ने रोहित सबसे निस्वार्थ कप्तान कहा। कांग्रेस प्रवक्ता का बयान नैतिक और तथ्यात्मक दोनों तरह से गलत है। इसमें दुर्भावना भी झलकती है क्योंकि एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के बीच यह बयान दिया गया।

(ये लेखक के विचार हैं)

हर पर्व पर रक्त आकांक्षा

एक खतरनाक प्रवृत्ति तेजी से पनपी है। धार्मिक शोभा-यात्राएं अब शक्ति-प्रदर्शन का जरिया बन चली हैं। समूची दुनिया में जब सांप्रदायिक उन्माद पनप चला हो, तब भारत पुरानी परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए मिसाल बन सकता था। होली के दिन रंग और उल्लास के बीच मेरा मन डोल रहा था। पिछला पखवाड़ा अपशकुनी संदेशों से बजबजाता बीता था। दो राज्यों में तो देश के दो सबसे बड़े समुदाय भिड़ भी चुके थे। होली परंपरागत तौर पर प्रेम और भाईचारे का त्योहार है। यह त्योहार हम हिन्दुस्तानियों की बीती ताहि बिसारकर आगे की राह पकड़ लेने की रीति-नीति का जीवंत उदाहरण भी है।

इस सवाल के जवाब के लिए मैं आपको पत्रकारिता के अपने शुरुआती दिनों में गोते लगाने के लिए आमंत्रित करता हूं। 1980 की दहाई के शुरुआती बरसों की मुझे वाराणसी और इलाहाबाद (माफ कीजिएगा, प्रयागराज) की वे बैठकें याद हैं, जो हर खास त्योहार से पहले कोतवाली में आयोजित की जाती थीं। इनको अमन कमेटी की बैठक कहा जाता था। जिले के आला अफसरों के साथ तमाम पुजारी, संत, मठाधीश, मौलवी, मुफ्ती, मौलाना और अन्य 'संभ्रांत' लोग इनमें हिस्सा लेते। घंटों की बातचीत के बाद हर साल यही निष्कर्ष निकलता कि सभी समुदाय मिल-जुलकर त्योहार मनाएंगे। इस दौरान आला अधिकारी चाशनी पगे शब्दों में धमकी देना न भूलते कि कानून हाथ में लेने की जरा सी कोशिश भी महंगी पड़ेगी।

होली पुलिस वालों के लिए अन्य त्योहारों के मुकाबले अधिक कठिनाई लेकर आती। इस वर्ष की भांति पहले भी जब होली जुमे के दिन होती, तो उनकी जान सांसत में पड़ जाती। उस वक्त दोनों समुदायों की संवेदनाओं को आसानी से भड़काया जा सकता था। उत्तर भारत के कुछ शहर ऐसे थे, जहां त्योहारों के आस-पास प्रायः हर साल दंगे भड़क उठते। दंगों के दौरान दोनों धर्मों के कुछ कट्टरपंथी अपने संगी-साथियों पर दबाव बनाते कि भविष्य में 'उन लोगों' से कोई कार्य-व्यापार नहीं रखना है। यह कटुता कुछ दिनों में हवा में कपूर की भांति विलीन हो जाती। लड़खड़ाने और हर लड़खड़ाहट के बाद सम्हलकर आगे चल पड़ने में हम भारतीयों को महारत हासिल है।

'सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोसायटी ऐंड सेक्यूलरिज्म' (सीएसएसएस) के मुताबिक, साल 2024 में सांप्रदायिक दंगे की 59 घटनाएं घटीं, जबकि 2023 में ऐसी दुखद घटनाओं की संख्या 32 थी। महज एक साल में 84 फीसदी का इजाफा! चौंकाने वाला यह मनहूस आंकड़ा डराता भी है। इन घटनाओं में 13 लागों को जान गंवानी पड़ी और सैकड़ों घायल हो गए। इनमें से ज्यादातर दंगे धार्मिक उत्सवों के समय हुए।

संगठन की रिपोर्ट आगे बताती है, इनमें से चार सांप्रदायिक झड़पें रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के समय, सात सरस्वती पूजा में मूर्ति विसर्जन के वक्त, चार गणेश उत्सव के दौरान और दो बकरीद के समय हुए। इसी संगठन ने पिछले साल भीड़ हिंसा की 13 घटनाओं में 11 लोगों की मौत के आंकड़े प्रकाशित किए थे, जिनमें मुस्लिम, हिंदू और ईसाई, हर धर्म के लोग शिकार बने थे। क्या आपको अब भी नहीं लगता कि यह समय साझा सकारात्मक सोच विकसित करने का है? ऐसा कहने की एक और वजह भी है। इस दौरान एक खतरनाक प्रवृत्ति तेजी से पनपी है। धार्मिक शोभा-यात्राएं अब शक्ति-प्रदर्शन का जरिया बन चली हैं। समूची दुनिया में जब सांप्रदायिक उन्माद पनप चला हो, तब भारत पुरानी परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए मिसाल बन सकता था, लेकिन इसका उलटा हो रहा है। होली, दिवाली, ईद या बकरीद से बात काफी आगे बढ़ गई है। पिछले दिनों इजरायल पर आतंकी हमले के बाद उसकी जवाबी कार्रवाई पर हमारे देश में भी कटु कुतर्कों से भरपूर बहस चल पड़ी थी। महीनों तक 'इनके' या 'उनके' खिलाफ अनर्गल प्रलाप माहौल में जहर घोलता रहा। लंबे समय से षड्यंत्रपूर्वक रोपी जा रही इस नफरती फसल का असर बहुत से भारतीयों की मानसिकता पर पड़ा है।

पिछले दिनों एक पुलिस अफसर का बयान वायरल हुआ। वह कह रहे थे कि होली साल में सिर्फ एक बार आती है, जबकि जुमे 52 दिन। जिसे रंगों से तकलीफ है, वह उस दिन अपने घर से न निकले। हो सकता है, उनके बयान को तोड़ा-मरोड़ा गया हो। यह भी संभव है कि अर्थ का अनर्थ करने की कोशिश की गई हो, पर इसमें कोई दोराय नहीं कि पुलिस का काम है, वह रंगों की बारिश के बीच भी रोजे, जुमे की नमाज और अन्य धार्मिक या सामाजिक गतिविधियों को सुचारू रखे। इस उधेड़-बुन से उबरा नहीं था कि एक और सोशल मीडिया पोस्ट ने मुझे चौंकने को मजबूर कर दिया। वह सड़क किनारे खड़े एक कियोस्क का फोटो था, जिसमें अपील दर्ज थी- ईद पर उन्हीं लोगों से सामान खरीदें, जिनके घर उस पैसे से ईद मनाई जा सके। इशारा साफ है। क्या इसे दर्ज कराने वाला नहीं जानता कि यह हमारे संविधान के अनुकूल नहीं है? कियोस्क लगाने के लिए सरकारी विभागों से बाकायदा अनुमति ली जाती है। क्या इसके लिए इजाजत ली गई थी? यदि हां, तो इसकी स्वीकृति किस अधिकारी ने दी? क्या उसके खिलाफ कोई कार्रवाई की गई?

बदलती हवा के साथ

अभी जबकि सैटेलाइट इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए स्पेसएक्स को भारत में लाइसेंस हासिल नहीं हुआ है, एयरटेल भारती ने उसके साथ करार कर लिया है। नतीजतन स्पेसएक्स के खिलाफ मोर्चे में रियालंस जियो अकेली पड़ गई है।

अभी पांच महीने नहीं हुए हैं, जब भारती एयरटेल कंपनी ने रिलायंस जियो के साथ साझा रुख लेते हुए भारत सरकार से कहा था कि सैटेलाइट इंटरनेट सेवा के लिए स्पेक्ट्रम का आवंटन नीलामी के जरिए हो। यह मांग इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के विपरीत थी, जो यह सरकारी फैसले से आवंटन चाहती है। इस बीच अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने और उसमें मस्क को प्रमुख भूमिका मिलने से हवा का रुख बदल गया है। तो एयरटेल भारती को संभवतः महसूस हुआ कि स्पेसएक्स के भारत में प्रवेश को रोकना अब मुमकिन नहीं रहा। ऐसे में रुख बदल लेना उसने फायदेमंद समझा।

और अब वह खुद भारत में स्पेसएक्स की स्टारलिंक सेवा प्रदान करेगी। अभी जबकि स्पेसएक्स को भारत में लाइसेंस हासिल नहीं हुआ है, एयरटेल भारती ने उसके साथ करार कर लिया है। नतीजतन स्पेसएक्स के खिलाफ मोर्चे में रियालंस जियो अकेली पड़ गई है। वैसे संभव है कि भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा देने का लाइसेंस एक से ज्यादा कंपनियों को मिले। फिर भी 60 से ज्यादा देशों में यह सेवा दे रही स्पेसएक्स के साथ बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का माहौल बनेगा। इस रूप में रिलायंस ग्रुप के लिए यह अच्छी खबर नहीं है। वैसे ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं पर ध्यान दें, रिलायंस के लिए चुनौती सिर्फ यही नहीं है।

ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका से पेट्रोलियम की अधिक खरीदारी और अमेरिकी कंपनियों को भारत में 'समान धरातल' दिलवाने के लिए भी भारत पर दबाव बना रखा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के विभिन्न कारोबार में अमेजन एवं वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों से सीधी होड़ है। अब तक सरकारी नीतियों का संरक्षण उसे मिला हुआ है। लेकिन सूरत बदली, तो उससे भी उसके सामने नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। भारती एयरटेल के रुख से साफ है कि भारत के बहुत-से कारोबारी 'मुकाबला नहीं कर सकते, तो पीछे लग चलो' की नीति पर चल रहे हैं। मगर उन कंपनियों के लिए ऐसा करना कठिन है, जिनकी भारतीय अर्थ-जगत के विभिन्न क्षेत्रों पर एकाधिकार जैसी हैसियत है और अब उन्हीं क्षेत्रों में अमेरिकी कंपनी भी प्रवेश करना चाहती है।

ट्रंप, नशे की लत!

श्रुति व्यास

लोकलुभावनवादी नेताओं को अर्थशास्त्र की समझ नहीं होती। मगर अपने को क्योंकि सर्वज्ञ समझते है तो वे बढ़ा-चढ़ाकर बातें करने, गलत को सही साबित करने और अपना ढोल पीटने में माहिर होते हैं। उनकी नीतियों में दम नहीं होता मगर वे शब्दों का जाल बुनने, प्रोपेगेंडा करने और समाज में विभाजन पैदा करने में कुशल होते हैं। अफ़सोस, कि सारी दुनिया में ऐसे लोग सिंहासनों पर आसीन हो रहे हैं। दुनिया में अफरातफरी मची हुई है तो क्या? ये नेता, ये ईश्वर के अवतार तो हैं। वे कोई गलती कभी कर ही नहीं सकते!

ये नेता खिझाने की हद तक राजनीति में माहिर होते हैं। लेकिन अर्थव्यवस्था का ककहरा उनके बूते के बाहर होता है। यह बहुत ही अजीब और भ्रमित करने वाला है क्योंकि ज्यादातर लोकलुभावनवादी नेता टैक्स को कम से कम करने और नियम-कानूनों की जटिलता को कम करने की बातें करते हैं। वे कहते कि वे व्यवसाय करना आसान बनाएंगे। मगर याद रखिये, लोकलुभावनवाद हर तरह के व्यापार को आसान नहीं बनाता। राजनीतिज्ञों की सनक के कारण उनका रवैया बदलता रहता है, इसलिए बड़े-बड़े व्यवसायी भी यह मान कर नहीं चल सकते कि उनकी कंपनियां पर सत्ता की कृपा दृष्टि बनी रहेगी।

भारत पर ही नजर डालें। सत्ता अनुकूल तौर-तरीके अपनाकर अडानी और अंबानी ने दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की की। वही छोटे व्यापारी मोदीनामिक्स की वजह से तबाही के कगार पर हैं। नोटबंदी, जो मोदीनामिक्स का मास्टर स्ट्रोक था, के कारण अब भी मध्यम और निम्न मध्यमवर्गीय वर्ग मुसीबतों का सामना कर रहा है। पर्स रखने का प्रचलन बहुत कम हो गया है क्योंकि बाजार में नकदी का अभाव है। 50 रू. के छुट्टे करवाना तक मुश्किल हो गया है। यह चिंताजनक है कि भारत के नव-मध्यम वर्ग के लगभग एक-तिहाई लोग दुबारा गरीब की श्रेणी में पहुंच गए हैं। ओरबान के राज में हंगरी में कुछ कारपोरेट्स का संरक्षण दिया जा रहा है, लेकिन पूरे निजी क्षेत्र का राजनीतिकरण हो गया है। कुछ क्षेत्रों का राष्ट्रीयकरण हो गया है या उन पर शासन का एकाधिकार हो गया है।

अर्थशास्त्रियों और उनके द्वारा किए गए अध्ययनों के अनुसार लोकलुभावनवादी नेता विकास में रोड़ा होते हैं। 2021 में तीन अध्येताओं के एक अध्ययन में यह पाया गया कि व्यवसाय-समर्थक होने का दिखावा करने के बावजूद लोकलुभावनवादी नेता व्यापार-व्यवसाय के मामलों में राष्ट्रवादी होते हैं। लोकतंत्र की अध्येता याशा मोंक भी इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि दक्षिणपंथी लोकलुभावनवादी नेता कुछ सालों तक तो शेयरों की बढ़ती कीमतों और निवेशकों के आत्मविश्वास का मजा लेते हैं। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है उनके द्वारा कानून के राज को हानि पहुंचाने, व्यक्ति-केन्द्रित नीतियों और विशेषज्ञों को हाशिए पर रख देने का नकारात्मक प्रभाव बढ़ता जाता है। पांच से लेकर दस साल के अंदर इन देशों में शेयर बाजार में तेज गिरावट, आर्थिक संकट और तीव्र मुद्रास्फीति जैसे हालात बनने की संभावना, उन देशों की तुलना में अधिक होती है जहां सत्ता लोकलुभावनवादी नेताओं के हाथ में नहीं होती।

मोटे तौर पर शोधकर्ता हमें यह बताते हैं कि लोकलुभावनवादी नेताओं के सत्ता में होने पर 15 साल के बाद प्रति व्यक्ति जीडीपी और जीवनस्तर पर लगभग 10 प्रतिशत का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है क्योंकि अर्थव्यवस्था अंतर्मुखी हो जाती है, संस्थानों को कमजोर कर दिया जाता है और मेक्रोइकोनोमिक नीतियों के संबंध में जोखिम लिया जाता है। और जब लोकलुभावनवादी नेता अमेरिका जैसे विकसित, शक्तिशाली और वैश्विक व्यवस्था को हिला देने की क्षमता रखने वाले देश में सत्ता पर काबिज होते रहते हैं तो आर्थिक विनाश का खतरा नजर आने लगता है। आर्थिक मामलों में ट्रम्प की मनमानी और दादागिरी से न सिर्फ अमेरिका बल्कि सारी दुनिया में विकास पर दुष्प्रभाव पड़ेगा। सत्ता में आने के कुछ सप्ताहों के अंदर ही ट्रंप बाजारों को जबरदस्त नुकसान पहुंचा चुके हैं और अमरीकी अर्थव्यवस्था पर भी इसका दुष्प्रभाव बढ़ता जा रहा है। 'मुद्रास्फीति जनित मंदी' शब्द एक बार फिर आम संवाद का हिस्सा बन गया है क्योंकि आयात शुल्क के चलते ट्रेड वॉर भड़क गया है जिससे शेयर बाजार झटके खा रहा है। एक ठेठ लोकलुभावनवादी की तरह, ट्रंप इसका दोष तथाकथित वैश्विकतावादियों पर मढ़ रहे हैं। लोकलुभावनवादी रणनीतियों में वैश्विकरण की निंदा करना और जार्ज सोरोस पर ऊंगली उठाना शामिल है, जैसा कि ट्रंप ने किया। या जिस तरह ओरबान लगातार यह इशारा करते हैं कि सोरोस अवांछित प्रवासियों को धन मुहैया करा रहे हैं।

लेकिन लोकलुभावनवादियों को इस बात का पक्का भरोसा होता है कि उनकी आर्थिक नीतियां देश के लिए फायदेमंद होंगीं, और वे उन सारे लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं जो इसके ठीक उलट संकेत दे रहे होते हैं। लेकिन मौजूदा दौर लोकलुभावनवादियों के फलने-फूलने का है क्योंकि एक बार सत्ता पर काबिज होने के बाद वे गैर-लोकलुभावनवादी के रूप में इससे दोगुने समय तक सत्ता में बने रह सकते हैं। ध्रुवीकरण के माध्यम से मतदाताओं का जबरदस्त समर्थन हासिल करने की लोकलुभावनवादियों की रणनीति से समाज में परस्पर भरोसा घटता है, जिसका जीडीपी और उद्यमिता से गहरा संबंध होता है। लोकलुभावनवादी कुशल राजनीतिज्ञ होते हैं लेकिन अर्थव्यवस्था संबंधी मामलों में वे उतने ही अकुशल होते हैं। इसके पहले 1930 के दशक में अंतिम बार लोकलुभावनवाद वैश्विक स्तर पर इतना मजबूत था, जब महामंदी के बाद दक्षिण एवं वामपंथी राजनीतिज्ञ लोकलुभावनवादी रणनीतियां अपनाकर दुनिया भर में अपना बोलबाला कायम कर रहे थे जिसके विनाशकारी परिणाम हुए। वैसे ही हालातों के लिए तैयार रहिए। जैसा कि गार्जियन ने लिखा ''लोकलुभावनवाद सिगरेट की तरह होता है। पहला सिगरेट आपको नुकसान नहीं पहुंचाता। लेकिन जब आपको उसकी लत लग जाती है तो वह जानलेवा साबित होती है।

(ये लेखक के विचार हैं)

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

KJ कांतिलाल ज्वेलर्स
सोने, चांदी एवं गोल्ड जेवरों के निर्माता एवं विक्रेता
सदर बाजार, दुर्ग, 0788-2210274, 4038274
40 ,आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, फोन : 4060274
Kantilal_jewel@yahoo.com

विशाल ज्वेलर्स
BIS - 916 100% Hallmarked
आभूषण लेना तो हॉलमार्क लेना

नया सराफा, जवाहर चौक, दुर्ग
मो.-9827906406

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

खास खबर

सांसद विजय बघेल को बधाई देने उमड़ा जनसैलाब

दुर्ग। लोकसभा के सांसद विजय बघेल को बधाई देने जनहित संघर्ष समिति के संयोजक शारदा गुप्ता के नेतृत्व में बधाई देने पहुंचाने वालों में प्रमुख रूप से डॉ रमेश श्रीवास्तव सुभाष साव कन्हैया सोनी दिनेश लोहिया विनोद उपाध्याय रवि शंकर सिंह वीरेंद्र यादव निशु पांडेय राजेश सिंह सुभाष शर्मा मदन सेन पारस जंघेल हरिशंकर चतुर्वेदी सुरेंद्र चौहान अशोक कुमार नरेश कुमार निर्मल भारती उमेश मिश्रा बंटी नाहर विजय गुप्ता भास्कर तिवारी बृजमोहन उपाध्याय गुरनाम सिंह राजू दुबे नेहरू साहू संजय दुबे जेपी घनघोरकर रविंद्र देवांगन नारायण सोनी राजा सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रोजा-इफ्तार में दिखा सर्वधर्म समभाव का नजारा

भिलाई। प्रख्यात सूफी संत बाबा भोला शफी शाह रहमतुल्लाह अलैहि के जन्मदिन के मौके पर ग्राम बीरेभाठ नंदिनी एयर स्ट्रिप के पास स्थित खानकाह (आश्रम) मुरादिया में रोजा इफ्तार व अन्य आयोजन रखे गए। इस दौरान बाबा सरकार के चाहने वालों में बड़ी तादाद में सर्वधर्म समुदाय के अकीदतमंद जुटे। यहां रोजेदारों के साथ सर्वधर्म के अकीदतमंदों ने भी इफ्तारी की। इसके बाद रोजेदारों ने मगरिब की नमाज अदा की। इस दौरान बाबा सरकार की गद्दी मुबारक लगाई गई और शिजरा ख्वानी और फातिहा ख्वानी हुई। मौजूद लोगों ने नात पाक व सलाम का नजराना पेश किया। वहीं मुल्क में अमन व सलामती के लिए दुआएं भी की गई। बाबा सरकार के जन्मदिन को देखते हुए अकीदतमंद अपने साथ केक भी लेकर आए थे, जिसे काट कर सभी तकसीम किया गया। वहीं सभी बच्चों को तोहफे दिए गए। आखिर में आम लंगर में सभी लोग शामिल हुए।

डीजे की धुन पर जमकर थिरके यूथ हॉस्टलर्स, खेली फूलों की होली

भिलाई। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया भिलाई इकाई एवं राजनांदगांव इकाई का होली मिलन समारोह बैगा एथनिक रिसॉर्ट चिल्फी में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सदस्यों ने फूलों से होली खेली और डीजे पर होली के गानों के साथ जमकर डांस भी किये।
भिलाई इकाई प्रेसिडेंट ऋषि कांत तिवारी,चेयरमैन के. सुब्रमण्यम एवं राजनांदगांव समन्वयक मिनेश मिश्रा ने बताया कि घर से दूर खुले वातावरण में कोलाहल एवं शोर शराबे से मुक्त चाँदनी रात में होली खेलना एक अलग ही सुखद अहसास रहा। इसके लिए गेंदा फूल की कुल 18 किलो पंखुड़ियों की व्यवस्था की गयी थी। यूथ हॉस्टल्स के सदस्य एक दूसरे पर पंखुड़ियाँ डाल डाल कर देर रात तक खुशियां मनाते रहे। मुँह मीठा कर एक दूसरे को होली की बधाई और शुभकामनाएं भी दी।

राजऋषि भवन दुर्ग में होली का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास से मनाया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के केलाबाड़ी स्थित राजऋषि भवन दुर्ग में होली का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर निराकार परमपिता परमात्मा शिव के महावाक्य के द्वारा होली के आध्यात्मिक रहस्य को स्पष्ट करते हुए वरिष्ठ राजयोगी शिक्षिका बी.के.रूपाली बहन ने बताया निराकार परमात्मा ने हम सभी को बताया है कि होली में सबसे पहले होलिका दहन करते हैं अर्थात् जलाया जाता है।

दूसरे दिन रंगपंचमी होता है जिसमें एक दूसरे को रंग लगाते हैं। इसका आध्यात्मिक रहस्य है कि परमात्मा शिव जो की सर्व मनुष्य आत्माओं के परमपिता है वह नई सतयुगी सृष्टि के स्थापना का कार्य कर रहे हैं जहां सर्वत्र स्नेह, प्रेम, सुख, शांति, करुणा,दया चंहु ओर व्याप्त रहेगी। इसलिए अभी स्वयं के अंदर जो भी नकारात्मक वृत्तियां है जो स्वयं व अन्य आत्मा को दु:खी करती है उसे इस होली में ज्ञान सूर्य परमात्मा की याद से दहन करना है अर्थात् उन वृत्तियों का अग्नि संस्कार करना है।

जैसे व्यक्ति की मृत्यु होने के पश्चात उसको जलाते हैं जिसे संस्कार करना कहते हैं तो सभी नकारात्मक वृत्तियों का संस्कार कर जो हमारी मूल वृत्ति पवित्रता, सुख-शांति,आनंद,प्रेम की है उसे धारण करना है। साथ ही हर संकल्प व कर्म में परमात्मा के संग में रह परमात्मा के गुणों

का रंग स्वयं भी लगाये व औरों को भी यह रंग लगाए जिससे यह सृष्टि सुख-शांति मय हो जाएगी । परमात्मा ने हमें बताया है कि यह सृष्टि कर्म क्षेत्र है जो करेगा सो पाएगा। इसलिए यदि हम स्वयं को परिवर्तन करते हैं तो परमात्मा कहते हैं कि आपको 21 जन्म तक संपूर्ण सुख शांति का स्वराज्य मिलेगा । इस कार्यक्रम में सभी आये हुए लोगों को बहनों ने परमात्मा स्मृति का तिलक लगाया और मुख मीठा कराया। इस अवसर पर होली के सुमधुर गीतों में कुमारी चंद्राणी युक्ति और जागृति ने अपनी मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी।

सेल स्टील प्लांट कांट्रेक्टर एसोसिएशन ने ईडी एचआर से की चर्चा, पात्रता मापदंड, कांट्रेक्टर पंजीकरण व नवीनीकरण सहित विभिन्न मुद्दे उठाए

बायोमेट्रिक की खामियां सुधारेगा मैनेजमेंट, ग्रुप इंश्योरेंस और आरसी टाउनशिप की होगी समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल स्टील प्लांट कांट्रेक्टर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने भिलाई स्टील प्लांट के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार के साथ बैठक की। इस दौरान उनसे कांट्रेक्टर और ठेका मजदूरों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक की गई। एसोसिएशन के उठाए गए मुद्दों पर ईडी पवन कुमार ने साफ किया कि सेल-बीएसपी में पंजीकृत सभी ठेकेदार की चिंताओं को प्रबंधन गंभीरता से ले रहा है और जो भी बिंदु प्रबंधन के समक्ष उठाए जाएंगे उन पर समाधान निकाला जाएगा।

इस्पात भवन में सेल स्टील प्लांट कांट्रेक्टर एसोसिएशन के पदाधिकारियों के स्वागत उपरांत ईडी पवन कुमार ने कहा कि कांट्रेक्टर और ठेका मजदूर दोनों हमारे भिलाई स्टील प्लांट के अनिवार्य अंग है और इनकी कहीं भी उपेक्षा नहीं होगी। एसोसिएशन के प्रेसिडेंट केए अब्दुल कादर ने उम्मीद जताई कि उनके द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं पर प्रबंधन सकारात्मक हल निकालेगा। बैठक में एसोसिएशन ने इस दौरान बायोमैट्रिक सिस्टम को लेकर चर्चा की। एसोसिएशन का कहना था कि बायोमेट्रिक हर जगह संभव नहीं है। खास कर शट डाउन, ब्रेकडाउन, आकस्मिक मरम्मत और अत्याधिक ऊंचाई पर किए जाने वाले जॉब में समयबद्ध हाजिरी लगाते हुए काम नहीं हो सकता। पदाधिकारियों ने बताया कि बहुत से विभागों में बायोमैट्रिक सिस्टम बंद भी पड़ा है। ईडी पवन कुमार ने कहा कि दो महीने में समीक्षा कर व्यवस्था में सुधार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बायोमैट्रिक सिस्टम एक नीतिगत मसला है, इसलिए इसे बंद नहीं कर सकते।

एसोसिएशन ने मुद्दा उठाते हुए कहा कि वर्तमान में जिन ठेका श्रमिकों के लिए 7 दिन का अस्थाई पास (टीपी) बनाया जाता है, उसमें इंश्योरेंस की मांग भी की जाती है। जिससे व्यावहारिक कठिनाइयां आती है। इस पर ईडी पवन कुमार ने कहा कि इन पर और चर्चा कर समाधान निकाला जाएगा। एसोसिएशन द्वारा ग्रुप इंश्योरेंस अप्रैल से लागू करने का आग्रह किया गया। उन्हें बताया गया कि पात्रता मापदंड को लेकर केंद्रीय सूचना आयुक्त (सीआईसी) के आदेश के बावजूद पूर्ण रूप से लागू नहीं किया गया। ओ.एंड एम विभाग द्वारा पंजीकरण नवीनीकरण में जारी और अपूर्ण काम की व्याख्या का तरीका तर्कसंगत नहीं होने के कारण कांट्रेक्टरों को अनुभवी के रूप में मान्यता नहीं मिलती है। इस तरह की विभिन्न समस्याएं ई.डी के समक्ष रखी गई।

एसोसिएशन ने इस दौरान ईडी पवन कुमार से कहा कि निविदाएं खोलने में पारदर्शिता का अभाव है। निविदाएं लॉटरी सिस्टम के माध्यम से खोली जाती हैं। पदाधिकारियों ने बताया कि हाल ही में टाउनशिप में रेट कॉन्ट्रैक्ट (आरसी) सिविल में 70 पंजीकृत ठेकेदारों ने भाग लिया, जिसमें से केवल 33 का चयन लॉटरी सिस्टम से हुआ। सभी पंजीकृत पार्टियां इच्छुक थीं। लेकिन उन्हें काम नहीं मिला। इस पर ईडी पवन कुमार ने कहा कि आरसी की पूरी व्यवस्था का परीक्षण कर सम्मानजनक हल निकाला जाएगा। उन्होंने रजिस्टर्ड ठेकेदारो को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया। एसोसिएशन ने कहा कि अनुबंध अनुमान निकालने में सेल संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है। जिसका ईडी ने निराकरण का आश्वासन दिया।

एसोसिएशन ने बताया कि रोटेशन के आधार पर रेट कॉन्ट्रैक्ट (इलेक्ट्रिकल) देने में अनियमितताएं बरती जा रही है। पिछले 10-15 वर्षों से बहुत सारी पार्टियां सूचीबद्ध हैं, लेकिन उन्हें कोई काम नहीं मिल रहा है।

एसोसिएशन ने ईडी को बताया कि छोटे कार्य आदेशों को समाप्त कर उन्हें बड़ी निविदाओं में परिवर्तित किया जा रहा है। वर्तमान में 500 ठेकेदार विभिन्न वर्गों और श्रेणियों के तहत पंजीकृत हैं, प्रबंधन सभी को काम प्रदान करने में सक्षम नहीं है। एसोसिएशन ने बताया कि ईएसआईसी अस्पताल के माध्यम से मेडिकल जांच, वर्तमान में ठेका श्रमिकों की मेडिकल जांच निजी संस्थाओं द्वारा मनमानी दरों पर की जा रही है। इसे सीधे ईएसआईसी के माध्यम से करवाया जाए।

ईडी पवन कुमार ने सभी बिंदुओं पर एसोसिएशन से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रबंधन और ठेकेदारों के बीच बेहतर तालमेल के साथ हमें भिलाई स्टील प्लांट को सुचारू रूप से संचालित करना है। उन्होंने नवीनीकरण में आ रही दिक्कतों पर एसोसिएशन को मुख्य महाप्रबंधक (सर्विसेस) से चर्चा करने कहा। इसी तरह औद्योगिक संबंध (आईआर) के मुद्दों पर ईडी पवन कुमार ने एसोसिएशन से सीजीएम (आईआर) से मिलने हेतु कहा।

उन्होंने कहा कि जिन एसोसिएशन ने जिन मुद्दों पर प्रबंधन का ध्यान आकृष्ट किया है, उन पर गंभीरता पूर्वक विचार किया जाएगा और प्रबंधन इस बात का ध्यान रखेगा कि कांट्रेक्टर सहज रूप से काम कर सकें। इस दौरान मुख्य रूप से एसोसिएशन के महासचिव सी.के मोहन, कोषाध्यक्ष के. तुलसी धरण पिल्लई, वाइस प्रेसिडेंट के. ए. अंसार, आर.एस.कुरूप, उप महासचिव एन.पी मिश्रा, मनीष शर्मा कार्यकारिणी सदस्य के. विजय कुमार, के. थंगराज, संजय गुप्ता और बलिराम यादव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

महिला सशक्तिकरण एवं स्वालंबन हेतु राजेश्वरी एवं मालती सम्मानित हुई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । समाज सेवी संगठन लोकार्पण समिति द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर के साथ आर्थिक रूप से सक्षम बनाने कार्य करती आ रहा है । अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर अहिवारा के शीतला मंदिर प्रांगण में महिलाओं को संगठित करने उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाने हेतु लोकार्पण समिति द्वारा अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर राजेश्वरी ठाकुर एवं मालती ठाकुर को शाल और श्रीफल के कर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में अहिवारा नगर पालिका के नवनिर्वाचित अध्यक्ष विद्यानंद कुशवाहा वार्ड पार्षद लता बंजारे,शिक्षक नरेंद्र धनकर ,पूर्व पार्षद अरुण बंजारे युवा समाज सेवी पदम जैन लोकार्पण समिति के प्रदेश अध्यक्ष इस्माईल खान सहित आदिवासी समाज के वरिष्ठ गण उपस्थित हुए । सम्मान समारोह के आयोजन का शुभारम्भ छत्तीसगढ़ महतारी के फेटो पर माल्या अर्पण कर पूजा अर्चना कर प्रारंभ किया गया ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ में अतिथियों के सम्मान के पश्चात छत्तीगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया । अतिथि उद्बोधन में नवनिर्वाचित अध्यक्ष विद्यानंद कुशवाहा ने महिलाओं को शासन की जनकल्याण कार्यक्रम की जानकारी के साथ उन्हें स्वरोजगार स्थापना में पालिका की ओर से सहायता प्रदान करने की घोषणा किया साथ ही लोकार्पण समिति के सामाजिक कार्यों जानकारी ली था उन्होंने ख की साथ के सहयोग से अहिवारा क्षेत्र की महिलाओं शासन से जोड़ा जाएगा । लोकार्पण समिति के अध्यक्ष इस्माईल खान के द्वारा कार्यक्रम में महिलाओं को स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्य तथा बिक्री कला की जानकारी दी अहिवारा क्षेत्र आस पास के ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को भी महिला शक्ति केंद्र के माध्यम से स्वरोजगार दिया जा रहा है जिसमें अहिवारा , आहेरी, बानबरद , देउरझल में लगभग 25 महिला समूह की महिलाओ को स्व रोजगार का प्रशिक्षण दिया गया है । समूह को शासन के पंजीयन विभाग से पंजीकृत कर उन्हें शासन के अन्य विभाग कि योजनाओ के माध्यम से जुड़ कर विभाग की जानकारी दिया जा रहा है। महिलाएं स्वालंबी बन कर अपने तथा उनके परिवार को आर्थिक रूप से सक्षम बन रही है। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर लोकार्पण समिति एवं जय बूढ़ा देव महिला समूह द्वारा अहिवारा क्षेत्र की विभिन्न क्षेत्रों में की गई उनके कार्यों हेतु वरिष्ठ नागरिको का सम्मान पालिका अध्यक्ष किया गया ।

चैत्र नवरात्रि में 30 मार्च से श्रीमद् देवी भागवत पुराण कथा का आयोजन

नवरात्रि में शक्ति की आराधना के साथ ही श्रीमद् देवी भागवत पुराण कथा के श्रवण से मिलता है पुण्य लाभ : आचार्य नीलेश शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई के तत्वावधान में चैत्र नवरात्रि में 30 मार्च से परमेश्वरी मंदिर प्रगति नगर रिसाली में श्रीमद् देवी भागवत पुराण कथा का आयोजन होगा। समिति की की केन्द्रीय पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों, विभाग प्रभारियों, सलाहकारों, संरक्षकों एवं सदस्यों की रविवार को परमेश्वरी भवन, प्रगति नगर, रिसाली में संपन्न बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन ने की। इस अवसर पर प्रसिद्ध कथावाचक एवं प्रवचनकर्ता आचार्य डॉ नीलेश शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

कथाकार आचार्य डॉ नीलेश शर्मा ने कहा कि नवरात्रि में शक्ति की आराधना के साथ ही श्रीमद् देवी भागवत पुराण कथा के श्रवण से बड़ा पुण्य लाभ मिलता है और वांछित मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यह एक दुर्लभ संयोग है कि नवरात्रि पर्व एवं देवी भागवत कथा एक साथ आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने नवरात्रि में श्रीमद् भागवत पुराण कथा के आयोजन करने के लिए देवांगन समाज की सराहना की।

बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन ने बताया परमेश्वरी मंदिर में कि 30 मार्च से 6 अप्रैल तक चैत्र नवरात्रि का आयोजन होगा। मंदिर में हमेशा की तरह मनोकामना ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। इस अवसर पर परमेश्वरी मंदिर में पहली बार श्रीमद् देवी भागवत पुराण कथा का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि नवरात्रि पर्व एवं देवी भागवत कथा में सभी वर्ग के नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 27 मार्च को आमंत्रण रैली निकाल कर घर-घर आमंत्रण दिया जाएगा। 30 मार्च को प्रात: कलश यात्रा के साथ नवरात्रि पर्व की शुरुआत होगी। इसी दिन वेदी पूजन एवं ज्योति कलश प्रज्वलन के पश्चात अपराह्न 3.30 बजे से श्रीमद् देवी भागवत पुराण कथा की शुरुआत होगी। प्रतिदिन प्रात: वेदी पूजन एवं आरती तथा संध्या समय विशेष आरती एवं जसगीत का गायन होगा।

इस वृहद आयोजन के सफल संचालन के लिए समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई है। बैठक में सदस्यों की शिकायत पर समाज की महिलाओं व पदाधिकारियों का अपमान करने एवं समाज विरोधी कार्य करने वाले व्यक्ति पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई करने तथा उन्हें दंडित करने का निर्णय भी सर्वसम्मति से लिया गया।

बैठक में समिति के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन, सचिव विनोद देवांगन, कोषाध्यक्ष गजेंद्र देवांगन, उपाध्यक्ष गण त्रिलोक देवांगन, टेसूराम देवांगन, दिनेश देवांगन, रेशमलाल देवांगन, कल्पना भानु देवांगन, दयाराम देवांगन, सह सचिव जनार्दन देवांगन, होमलाल देवांगन, गोवर्धन देवांगन, विभाग प्रभारीगण सत्यपाल देवांगन, हेम कैलाश देवांगन, संतोष देवांगन, रामगोपाल देवांगन, हुकुमचंद देवांगन, मंगतूराम देवांगन, श्रवण देवांगन, जयश्री देवांगन, लक्ष्मी देवांगन, दामिनी देवांगन, ओमप्रकाश देवांगन, सुरेश देवांगन, सुखनंदन देवांगन, पवन देवांगन, राज विक्रम देवांगन आदि सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

ग्रामों में पानी का संकट, गंगरेल डेम का गेट खोलने उठी मांग

रायपुर। अभी मार्च माह बीता नहीं है और ग्रामीण इलाकों में निस्तारी पानी का संकट अभी से गहराने लगा है। समस्या का भयावह रूप लेने से पहले ही निस्तारी पानी देने गंगरेल का पट खोलने की मांग उठने लगी है। बंगोली सिंचाई उपसंभाग के अधीन आने वाले सिंचाई पंचायतों के पूर्व अध्यक्षो ने एक बैठक के बाद सिंचाई मंत्री केदार कश्यप से गंगरेल से अविलंब निस्तारी पानी छुड़वाने का आग्रह किया है।

ज्ञातव्य हो कि खरीफ सिंचाई के बाद ग्रीष्मकाल में गंगरेल से तालाबों को भरने हर साल निस्तारी पानी छोड़ा जाता है जो अपवादस्वरूप परिस्थितियों को छोड़ अमूमन अप्रैल माह में छोड़ा जाता है। इस वर्ष मार्च के शुरूआत होते होते ग्रामीण इलाकों में जल संकट शुरू हो चला है जो समय बीतते बीतते गहराने लगा है और अभी से ग्रामीण निस्तारी पानी की संकट से जूझने लगे हैं। समस्या को देखते हुये बंगोली सिंचाई उपसंभाग के अधीन आने वाले सिंचाई पंचायतों के पूर्व अध्यक्षो ने होली त्यौहार के पूर्व एक बैठक आयोजित कर गंगरेल में पानी की उपलब्धता को देखते हुये होली त्यौहार के तुरंत बाद गेट खुलवा पानी छुड़वाने की मांग को ले ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया। बैठक में रायपुर जिला जल उपभोक्ता संस्था संघ के अध्यक्ष रहे भूपेंद्र शर्मा सहित गोविंद चंद्राकर, थानसिह साहू, प्रहलाद चंद्राकर, चिंताराम वर्मा, हिरेश चंद्राकर, धनीराम साहू, तुलाराम चंद्राकर, भारतेंदु साह, योगेश चंद्राकर आदि शामिल थे।

शासकीय उचित मूल्य दुकानों के नवीन आबंटन हेतु आवेदन 28 मार्च तक आमंत्रित

रायपुर। अनुविभाग बसना के अंतर्गत प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति उड़ेला द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकानों उड़ेला, चिपरीकोनहा, लोहड़ीपुर एवं कुरमाडीह का समर्पण किया गया है। शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर (खाद्य शाखा) महासमुंद के आदेशानुसार इन दुकानों का युक्तियुक्तकरण एवं नवीन आबंटन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 की कंडिका 9 के तहत विकासखंड में स्थित वृहत्ताकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सहकारी समितियां, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां, वन सुरक्षा समितियां, महिला स्व सहायता समूह, ग्राम पंचायतें, अन्य उपभोक्ता सहकारी समितियां जो शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु इच्छुक हैं, वे निर्धारित प्रारूप में आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 28 मार्च 2025 तक है। इच्छुक संस्थाएं अपने आवेदन सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बसना में कार्यालयीन अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।

होली के बाद रायपुर महापौर मीनल चौबे ने किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर की महापौर मीनल चौबे ने होली के बाद शहर की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने मौदहापारा, एम.जी. रोड, शारदा चौक, जयस्तंभ चौक सहित प्रमुख बाजारों और मार्गों का दौरा किया। इस निरीक्षण के दौरान नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही, जोन 2 के जोन कमिश्नर डॉ. आर.के. डोंगरे सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। महापौर ने राजधानी की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए निर्देश दिए।

महापौर ने मौदहापारा मुख्य मार्ग, जयस्तंभ चौक, शारदा चौक और एम.जी. रोड का पैदल निरीक्षण किया। उन्होंने मौदहापारा में मारुति सेल्स शो रूम के सामने नाली पर किए गए अवैध कब्जों को हटाने का आदेश दिया। साथ ही, के.के. रोड पर नालियों पर बनाए गए अवैध पाटों को हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यापारियों को चेतावनी दी कि वे स्वयं इन पाटों को हटा लें, अन्यथा नगर निगम अभियान चलाकर श्रीडी मशीन से नालियों को कब्जामुक्त करेगा।

महापौर ने मौदहापारा में लगने वाले संडे बाजार का भी निरीक्षण किया और दुकानदारों को सड़क किनारे व्यवस्थित तरीके से बैठने की हिदायत दी, ताकि यातायात प्रभावित न हो। उन्होंने एम.जी. रोड पर स्थित होटल मंजू ममता के संचालक को सड़क पर व्यवसाय न करने की कड़ी चेतावनी दी।

महापौर ने एमजी रोड पर शाम को लगने वाली चौपाटी के दुकानदारों को प्लास्टिक की प्लेट, गिलास आदि का उपयोग पूरी तरह बंद करने और इसके बजाय कांच के बर्तनों का उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक कचरा नालियों में फेंकने से जलभराव और मच्छरों के बढ़ने की समस्या उत्पन्न होती है। महापौर ने सफाई नियमों का पालन न करने वाले दुकानदारों पर पहले चेतावनी देने और फिर भी न मानने पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए हैं।

प्री वेडिंग व कार्यक्रमों में शराब परोसने पर देवांगन समाज ने लगाया प्रतिबंध

100 से अधिक निर्वाचित प्रतिनिधियों का हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश देवांगन समाज ने सर्वसम्मति से विवाह के पहले होने वाले प्री वेडिंग और सार्वजनिक कार्यक्रमों में शराब परोसे जाने पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है । प्रदेश की प्रबंध कार्यकारिणी बैठक में 100 से अधिक नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया । बैठक में राजस्व ज़िला बलौदा बाज़ार को मान्यता दिया गया । वहीं संगठन का विस्तार करते हुए युवा, महिला, चिकित्सा, राजनीतिक, व्यापार एवं प्रचार-प्रसार प्रकोष्ठ की घोषणा भी की गयी।

बैठक में सभी ज़िलों के प्रतिनिधि और संस्थापक सदस्य उपस्थित थे। प्रदेश देवांगन समाज की प्रबंध कार्यकारिणी की बैठक आज सुबह 11 बजे से बीरगाँव में संपन्न हुई।बैठक में सर्वप्रथम माँ परमेश्वरी की पूजा अर्चना की गयी तत्पश्चात् समाज के प्रदेश महासचिव परस देवांगन ने बैठक की प्रस्तावना रखी । इसके बाद नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव में प्रदेश भर से जीतकर आए जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया गया, इसमें नगर निगम धमतरी की सभापति कौशल्या देवांगन, नगपुरा की जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, जनपद पंचायत नवागढ़ की अध्यक्ष अर्चना देवांगन, जनपद पंचायत धमधा की उपाध्यक्ष प्रीति देवांगन समेत 100 से अधिक ज़िला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य, पार्षद, सरपंच एवं उप सरपंचो का सम्मान किया गया। बैठक में प्रदेश देवांगन समाज के अध्यक्ष डॉक्टर ओमप्रकाश देवांगन ने कहा कि यह वक्त बंटने का नहीं बल्कि एकजुट होने का है। यही वजह है कि प्रदेश देवांगन जन कल्याण समाज के अध्यक्ष सागर देवांगन ने अपने संगठन का विलय हमारे संगठन में कर एकता के सूत्र में बंधने का पुनीत कार्य किया है । इसीतरह आने वाले समय में प्रदेश में संचालित अन्य संगठनों को भी एक मंच पर लाने का प्रयास किया जाएगा। डॉक्टर देवांगन ने कहा कि प्रदेश के विकास के साथ- साथ हमें सामाजिक बुराइयों को भी जड़ से मिटाना होगा । आज सार्वजनिक कार्यक्रमों में शराब के सेवन किया जाता है, इससे हमारी युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है । वहीं शादी से पहले होने वाले प्री वेडिंग का प्रचलन तेज़ी से बढ़ रहा है, इससे हमारे मध्यमवर्गीय परिवारों पर भारी बोझ बढ़ता जा रहा है । इसे रोकने की माँग कई जगह से की जा रही थी, इसलिए बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर प्री वेडिंग और सार्वजनिक कार्यक्रमों में शराब के वितरण पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है । बैठक को संरक्षक महेश देवांगन, रामगोपाल देवांगन, बृजमोहन देवांगन(नारायणपुर), शंकर देवांगन (भिलाई) और अभय देवांगन ने भी सम्बोधित किया। बैठक में संगठन का विस्तार करते हुए विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी की घोषणा की गयी और उन्हें शपथ भी दिलाया गया । इनमे प्रमुख रूप से रेणु देवांगन को महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष, लक्ष्मीनारायण देवांगन को युवा प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष, डॉक्टर वेदप्रकाश देवांगन को चिकित्सा प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष, दानसिंह देवांगन को प्रचार-प्रसार प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष, धनेश देवांगन को राजनैतिक प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष और अजय देवांगन को व्यापार प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है । बैठक में समाज के संस्थापक सदस्य एवं संरक्षक कुंजलाल देवांगन, सेवकराम देवांगन, महेश देवांगन, रामगोपाल देवांगन, लक्ष्मीनारायण देवांगन, बृजमोहन देवांगन,अभय देवांगन,मदन देवांगन, महासचिव परस देवांगन, कोषाध्यक्ष वेदलाल देवांगन, उपाध्यक्ष चंपालाल देवांगन, हरीश देवांगन, होरीलाल देवांगन, शरद देवांगन, गजेंद्र देवांगन, विमल देवांगन, जीआर देवांगन, खिलेश देवांगन समेत सभी प्रदेश सहसचिव, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

शहीद-ए-आजम दिवस पर 'संवेदना-2' रक्तदान जागरूकता अभियान का पोस्टर विमोचित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के 94वें शहादत दिवस पर नेशनल इंटीग्रेटेड फोरम ऑफ आर्टिस्ट्स एंड एक्टिविस्ट्स द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय रक्तदान जागरूकता अभियान संवेदना-2 के पोस्टर का विमोचन किया गया। यह अभियान 21-23 मार्च तक चलेगा, जिसमें रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर प्रमुख समाजसेवियों, कलाकारों और कार्यकर्ताओं ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला।

संवेदना-2 अभियान का मुख्य उद्देश्य रक्तदान के प्रति लोगों में जागरूकता लाना और मानवता की सेवा में रक्तदान के योगदान को बढ़ावा देना है। आयोजकों ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से शहीदों की शहादत को सम्मानित करते हुए एक बड़ा सामाजिक कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर शहर के विभिन्न हिस्सों से आए रक्तदाता भी मौजूद रहे, जो इस अभियान में अपनी सहभागिता दर्ज कराएंगे। यह अभियान समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंदों की सेवा करने का एक सार्थक प्रयास है। हमें इन वीर शहीदों से प्रेरणा लेकर राष्ट्रसेवा और मानवता के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने का संकल्प लेना चाहिए।

अग्रवाल समाज उपेक्षा से नाराज, समिति गठित

रायपुर। छत्तीसगढ चेंबर आफ कामर्स चुनाव में अब जातिगत फैक्टर भी सामने आ गया है पिछले कई चुनाव से अग्रवाल समाज को प्रतिनिधित्व नहीं मिलने की बात सामने आते रही है। बता दें कि चेंबर में अग्रवाल समाज के सदस्यों की काफी बड़ी संख्या है। दरअसल अग्रवाल समाज के होली मिलन समारोह में चेंबर चुनाव की बात सामने आ गई और समाज की एकजुटता को लेकर प्रत्याशी उतारने की मांग उठ गई।

बाबा धाम धनोरा में जलाई गई नारियल नींबू की होली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में होलिका दहन पर शाम 4 बजे दरबार के श्रद्धालुगण उपस्थित होकर वहां बिराजे बघुवा के मूर्ति के पास सभी लोग पूजा अर्चना किया। दरबार के लक्ष्मण बाबा, नंद पंडा, मनोज पटेल, पुरन साहू जस सम्राट व अन्य श्रद्धालुओं द्वारा मूर्ति पर लाल रंग की चुनरी, पान, पुष्प, दीपक जलाकर और केसरिया रंग के पताका चढ़हाकर सभी के सुख शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना किया गया।

इसके पश्चात बाबा दरबार के सामने नारियल, नींबू, कपड़ा, भेलवा के होली रचकर नंद पंडा द्वारा चकमक पत्थर की चिंगारी से होली जलाया गया। दरबार में पहुंचे श्रद्धालुओं की शरीर से नारियल, भेलवा, नीबू उतार कर नंद पंडा, मनोज पटेल व राजू यादव द्वारा डाला गया। श्रद्धालुओं द्वारा अपने-अपने घर से लाए कपड़ा व नारियल को होली में डालते गए। दरबार के लक्ष्मण बाबा ने बताया कि इस तरह से होली सिर्फ छत्तीसगढ़ के हमारे ग्राम धनोरा जिला-दुर्ग छत्तीसगढ़ में ही जलाया जाता है। जिससे सारे परेशानी दु:ख दर्द दुर होते हैं और सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। इसके बाद दरबार के आगे श्रीराधा कृष्ण फाग एवं सेवा भजन मंडली धनोरा के गायक गुलाब साहू द्वारा फाग गीत का आयोजन किया गया साथ ही दरबार में पहुंचे दुर दराज से श्रद्धालुओं और ग्रामवासियों द्वारा एक दुसरे के उपर रंग गुलाल लगा कर परंपरागत से होली मनाया गया। नगाड़े के धुन पर सभी लोग झूमते और नाचते दिखाई देते रहे। यह रंग गुलाल का सिलसिला करीब रात्रि 11 बजे तक चलते रहा। प्रतिवर्षानुसार यहां पर होलिका दहन के दिन दरबार में हर जिले से लोग आते हैं और अपनी सारी परेशानी दूर कर अपने-अपने घर को जाते हैं।

इस दरबार में हर पर्व पर कुछ न कुछ धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है जिसमें दूर-दूर से लोग पहुंचते है साथ ही गांव के भी लोग भी इस कार्यक्रम में शामिल अपना सहयोग देते हैं। इस आयोजन में मुख्य रूप से दरबार के लक्ष्मण बाबा, नंद पंडा मनोज पटेल, रोमनाथ साहू, बबलू, गज्जू रायपुरीहा, पुरण साहू जस सम्राट, भोलू खिलेशवर, ओमकार साहू, विनोद साहू, राजू यादव, मनसुखा साहू, गुलाब साहू, ललित साहू, सुऊख राम, हेमंत साहू, कुंभकरण पटेल, वासुदेव स्प्रे, सुनील कहार, सुंदर स्प्रे, दिनेश साहू, मुनना गंधर्व, जीवराखन ठेकेदार, बाबु लाल साहू, रुपलाल साहू, रोमनाथ साहू, मारियल साहू, वासुदेव स्प्रे, कल्याण देवांगन, चन्द्र कांत देवांगन, विनोद साहू, एम लाल देवांगन, योगेश साहू, तोमन गजपाल, नोहर साहू, डॉ. धनेशवर साहू, दिनेश यादव, उमेश साहू सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। यह जानकारी दरबार प्रतिनिधी चन्द्र कांत कोसरे एवं कुंज लाल साहू ने दी।

वाणिज्य व उद्योग विभाग के आदेश पश्चात चुनाव समिति की हुई आवश्यक बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज चुनाव 2025, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के आदेश पश्चात मुख्य निर्वाचन अधिकारी शिवराज भंसाली द्वारा एक आवश्यक बैठक 15 मार्च 2025 को आहुत की गई। इस अवसर पर निर्वाचन अधिकारीगण शिवराज भंसाली, प्रकाशचंद गोलछा, के.सी. माहेश्वरी, रमेश गांधी, महावीर तालेड़ा, अनिल कुचेरिया, संजय जोशी, एच. एस. कर, एस.एम. रावते प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

उपरोक्त जानकारी एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से निर्वाचन अधिकारी प्रकाशचंद गोलछा ने बताया की छत्तीसगढ़ शासन वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के उप सचिव रेना जमील के हस्ताक्षरयुक्त आदेश प्राप्ति के पश्चात निर्वाचन समिति ने निर्णय लिया की पुराने संविधान के अनुसार ही वर्तमान चेंबर चुनाव 2025 को संपन्न किया जाएगा। वर्तमान प्रक्रिया के तहत प्रदेश अध्यक्ष, महामंत्री एवं कोषाध्यक्ष के साथ रायपुर सहित 26 जिलों के लिए 10 चरण में निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न होगी जिसमें भिलाई एवं रायपुर जिले में दो दिवसीय मतदान प्रक्रिया संपन्न करवाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि अब रायपुर जिले के लिए 8 उपाध्यक्ष एवं 8 मंत्री तथा निम्न जिलों सरगुजा, सूरजपुर, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, गौरेला-पेंड्रा-मारवाही, धमतरी, दंतेवाड़ा, कांकेर, रायगढ़, जशपुर, सारंगढ़-बिलाईगढ़, दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, कबीरधाम, बालोद, बिलासपुर, सक्ति, कोरबा, जांजगीर-चांपा, मुंगेली, बेमेतरा महासमुंद, गरियाबंद, बलोदाबाजार-भाटापारा जिलों में 1 उपाध्यक्ष एवं 1 मंत्री के पद हेतु मतदान होगा साथ ही प्रदेश के तीन पद अध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष हेतु समस्त 27480 मतदाता मतदान करेंगे।

नाम निर्देशन पत्र 17-18-19 मार्च, दिन सोमवार, मंगलवार, बुधवार को 11 बजे से 2 बजे तक दिए जाएंगे एवं जमा करने का समय दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक रहेगा। नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 20 मार्च, दिन गुरुवार समय 11 बजे से 5 तक रहेगा। नाम निर्देशन पत्र शुल्क प्रदेश अध्यक्ष, महामंत्री एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए 31000 तथा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मंत्री पद के प्रत्याशियों के लिए 15000 निश्चित किया गया है।

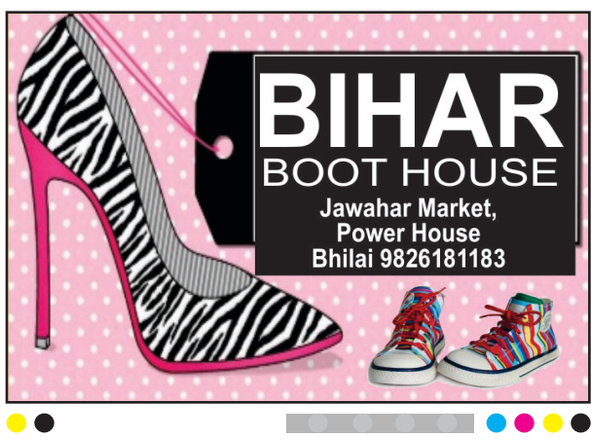

ऋतिक रोशन ने एक्स-वाइफ सुजैन खान पर लुटाया प्यार, कहा- 'तुम पर गर्व है'

बॉलीवुड के सुपरस्टार ऋतिक रोशन और उनकी एक्स-वाइफसुजैन खान की दोस्ती किसी इंस्पिरेशन से कम नहीं है! 2014 में तलाक के बाद भी दोनों की बॉन्डिंग और आपसी सम्मान देखने लायक है। दोनों अक्सर एक-दूसरे की तारीफकरने से पीछे नहीं हटते। हाल ही में, जब सुजैन खान ने अपने इंटीरियर डिज़ाइन ब्रांड 'द चारकोल प्रोजेक्ट' का हैदराबाद में नया स्टोर लॉन्च किया, तो ऋतिक ने उनके लिए एक प्यार भरा नोट लिखा, जिसमें उनकी मेहनत और क्रिएटिविटी की जमकर सराहना की।

ऋतिक रोशन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो रील शेयर की, जिसमें सुजैन के नए स्टोर की शानदार झलक देखने को मिली। पोस्ट के साथ ऋतिक ने एक लंबा और इमोशनल कैप्शन लिखा: सपने हकीकत में बदल गए! तुम पर बहुत गर्व है, सुजैन। मुझे याद है 20 साल पहले, जब तुम इस कॉन्सेप्ट के बारे में सिर्फ बातें करती थीं। आज, जब तुम हैदराबाद में अपना दूसरा 'चारकोल प्रोजेक्ट' स्टोर लॉन्च कर रही हो, तो मैं उस लड़की की सराहना किए बिना नहीं रह सकता, जिसने इतने साल पहले सपने देखने की हिम्मत की। तुम्हारी मेहनत और टैलेंट वर्ल्ड-क्लास है! स्टोर देखकर मैं दंग रह गया। डिजाइन, प्रेजेंटेशन और विजन कमाल का है!

ऋतिक और सुजैन ने 2000 में शादी की थी और 2014 में अलग हो गए। हालांकि, दोनों अपने बच्चों रिहान (18) और ऋदान (15) की को-पेरेंटिंग में बखूबी बैलेंस बनाए हुए हैं। दोनों को अक्सर अपने बच्चों के साथ वेकेशन एन्जॉय करते और फैमिली टाइम बिताते हुए देखा जाता है।

ऋतिक रोशन का वर्कफ्रंट-'वॉर 2' की शूटिंग में बिजी

ऋतिक इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'वॉर 2' की शूटिंग में बिजी हैं। हाल ही में, एक डांस सीक्वेंस की रिहर्सल के दौरान उन्हें चोट लग गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऋतिक ने खुद को थोड़ा ज़्यादा पुश कर दिया, जिससे उनके पैर में गंभीर चोट आई। हालांकि, वह जल्द ही रिकवर होकर धमाकेदार वापसी करेंगे।

एक्स-कपल गोल्स

ऋतिक और सुजैन ने यह साबित कर दिया कि रिश्ता सिर्फ से नहीं बनता, बल्कि प्यार, दोस्ती और सपोर्ट से भी मजबूत रहता है!

आमिर खान को नई गर्लफ्रेंड मिलने के बाद एक्स-वाइफ किरण राव ने शेयर कीं शादी के दिनों की तस्वीरें, लिखा- लव यू

आमिर खान को नई गर्लफ्रेंड मिलने के बाद किरण राव ने एक्टर संग अपनी शादी के दिनों की तस्वीरें शेयर कीं। किरण राव पुराने दिनों में खो गईं और आमिर संग बिताए हसीन पल याद किए। उन्होंने आमिर के लिए लिखा कि वह और बेटा आजाद उनसे प्यार करते हैं।

आमिर खान हाल ही अपने 60वें बर्थडे पर नई गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट से मिलवाया था, जिन्हें वह डेढ़ साल से डेट कर रहे हैं। आमिर ने पहली शादी रीना दत्ता और पुि तलाक के तीन साल बाद किरण राव से शादी की थी। लेकिन 15 साल बाद उनसे भी तलाक हो गया और अब गौरी स्प्रैट के रूप में तीसरा पार्टनर मिला है। इसी बीच किरण राव के पोस्ट की चर्चा हो रही है। आमिर की एक्स-वाइफ ने एक्टर संग अपने पुराने दिनों की कुछ तस्वीरें शेयर कीं, और 'लव यू' लिखा।

किरण राव ने आमिर पर लुटाया प्यार

किरण राव ने लिखा, 'हमारे जिंदगी के सबसे वीवीवीआईपी को हैप्पी बर्थडे। गले लगाने और हंसने के लिए और हमेशा हमारा साथ देने के लिए शुक्रिया। हम तुमसे प्यार करते हैं।' किरण राव ने आमिर खान से साल 2005 में शादी की थी, और बेटे आजाद की मां बनीं। लेकिन साल 2021 में उनका तलाक हो गया। हालांकि, तलाक के बाद भी आमिर का किरण संग अच्छा बॉन्ड है, और दोनों मिलकर बेटे आजाद की परवरिश कर रहे हैं। आमिर तलाक के बाद पहली पत्नी रीना के भी संपर्क में हैं और सभी एक साथ हैंगआउट भी करते हैं।

आमिर की नई गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट, तीसरी शादी करेंगे एक्टर?

आमिर की नई लेडी लव गौरी स्प्रैट की बात करें, तो एक्टर ने मीडिया को बताया था कि वह एक-दूसरे को 25 साल से जानते हैं। गौरी स्प्रैट का 6 साल का एक बेटा भी है। आमिर ने कहा था कि गौरी से मिलने के बाद वह लाइफ में सैटल महसूस कर रहे हैं और उन्हें काफी पसंद करते हैं। तीसरी बार शादी को लेकर आमिर ने कहा था कि वह जानते नहीं कि यह 60 साल की उम्र में शोभा देगी भी या नहीं।

हिना खान ने बयां किया कैंसर के बाद का दर्द, एक्ट्रेस ने बॉयफ्रेंड के लिए कही ये बात

टीवी एक्ट्रेस हिना खान कैंसर से जूझ रही हैं। इस गंभीर बीमारी को लेकर एक्ट्रेस कई बार अपना दर्द बयां कर चुकी हैं। ऐसे में उन्होंने एक बार फिर से कैंसर के बाद का दर्द बयां किया है। उन्होंने इस दौरान अपने बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल की तारीफकी। दरअसल, हिना और रॉकी ने हाल ही में टीवी रिएलिटी शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफमें शिरकत की। दोनों अपनी शादी का मेन्यू डिसाइड करने के लिए शो में पहुंचे थे। कंटेस्टेंट्स ने इंप्रेस करने के लिए उनका फेवरेट खाना बनाया। इसी बीच एक्ट्रेस ने अपनी कैंसर जर्नी के बारे में बताया और इस बीच वो रो पड़ीं। साथ ही उन्होंने बॉयफ्रेंड को लेकर कहा कि ऐसा पार्टनर हर लड़की डिजर्व करती है।

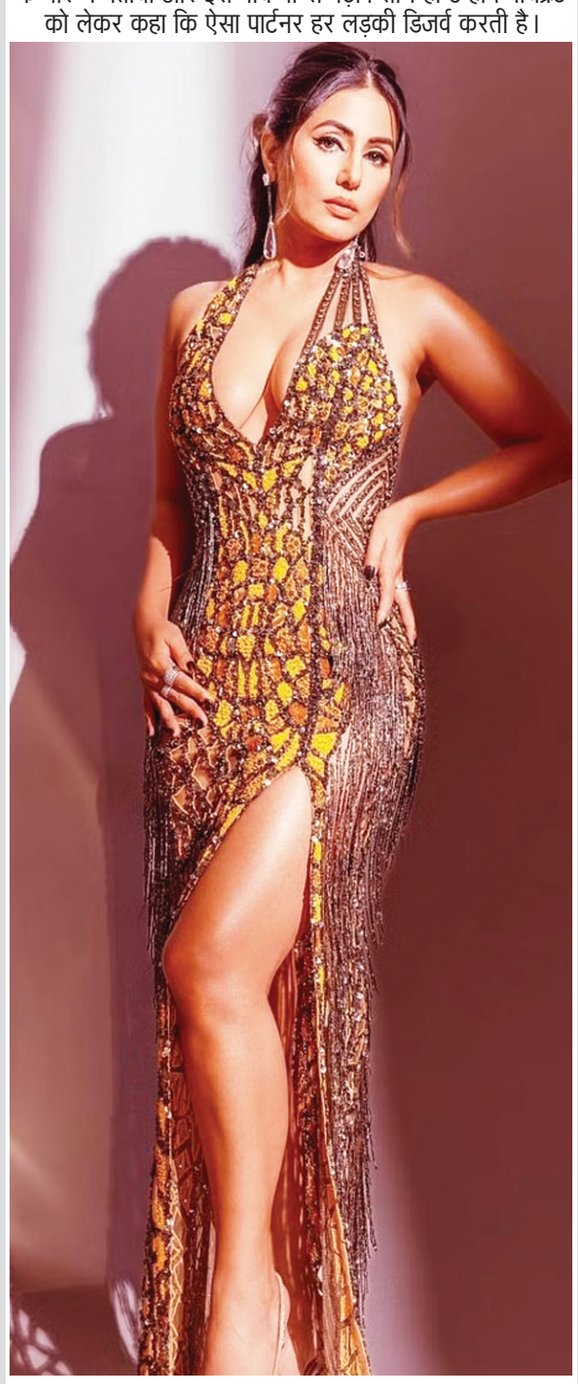

हिना खान का मास्टरशेफसे सोनी टीवी के इंस्टाग्राम पर एक प्रोमो शेयर किया गया है। इसमें हिना अपनी कैंसर की जर्नी के बारे में बात करते हुए नजर आ रही हैं और बताया, 'जहां तक मेरी जर्नी की बात है। दुनिया सिर्फजानती है कि मुझे एक चीज हुई। मुझे सी (कैंसर) हुआ है। इससे ज्यादा लोगों को कुछ नहीं पता। इसके बाद टाइम टू टाइम दो महीने में तीन महीने में हमें और भी कई चीजें पता चलीं। मेरे बारे में, बॉडी के बारे में। आप जानते हैं मेरा बॉडी पर निशान हैं। मुझे सर्जरी द्वारा ट्रीटमेंट दिया गया। मेरे साथ बहुत कुछ हुआ।'

हिना खान यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने नम आंखों के साथ कैंसर जर्नी के बारे में बाक करते हुए कहा, 'और मेरे पास इनके (रॉकी जायसवाल) जैसा कोई था। वो जब भी मेरी तरफदेखते थे। वो सिर्फ एक थे, जिन्होंने मेरे निशान पर मरहम लगाए। उनको मुझसे ज्यादा देखा। बहुत करीब से कि आज कैसा है थोड़ा ठीक हुआ है या फिर वैसा ही है। मेरे लिए खुद को देखना काफी कठिन था लेकिन ये मुझे देखता था और ऐसे वापस आता था। बाथरूम जाता है रोता है, मेरे सामने रोता भी नहीं है वापस आता है और वैसे मुझे वो और भी प्यार करने लगता है कि जैसे वो पहले करता था।' इस पर रॉकी कहते हैं, 'मैंने पहले इनके जितनी बहादूर आत्मा नहीं देखा।' वहीं, उनकी बातों को सुनकर हिना फिर कहती हैं, 'मैं तो ये कहूंगी कि इस यूनिवर्स पर हर लड़की को ऐसा पार्टनर मिले।' शो में बैठी ऑडियंस, होस्ट, जजेस सभी की आंखें नम हो जाती हैं।

हिना खान ने पिछले साल किया था कैंसर का खुलासा

गौरतलब है कि हिना खान ने कैंसर का खुलासा पिछले साल किया था। इसके बारे में एक्ट्रेस ने 'इंडियाज बेस्ट डांसर बनाम सुपर डांसर' के एपिसोड में खुलासा किया था कि जब उनको कैंसर के बारे में पता चला था तो उन्होंने घर में मीठा मंगवाया था। एक्ट्रेस ने बताया कि जब रिपोर्ट आई थी तो डॉक्टर ने उनको कॉल नहीं किया था। बल्कि रॉकी जायसवाल उनके घर आए थे और रिपोर्ट पॉजिटिव होने की जानकारी शेयर की थी। हिना कई कीमोथेरेपी से गुजर चुकी हैं। उन्होंने हर मुश्किल का डटकर सामना किया।

फिर दुश्मनों को तोड़ने आए सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ से करेंगे दो-दो हाथ, हंटर 2 का टीजर जारी

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी एक्शन थ्रिलर सीरीज हंटर के दूसरे सीजन के साथ अपनी वापसी करने के लिए तैयार हैं। इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। हाल ही में अभिनेता ने शूटिंग की एक झलक साझा की, जिसने दर्शकों को उत्साहित कर दिया है। वहीं अब, निर्माताओं ने भी सीरीज के दूसरे सीजन का अनाउंसमेंट वीडियो जारी कर दिया है।

हंटर सीरीज को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। वहीं, अब फैंस हंटर-2 के लिए तैयार हैं। ऐसे में ओटीटी चैनल के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल ने हंटर टूटेगा नहीं तोड़ेगा के सीजन 2 की भी घोषणा की। इस आकर्षक प्रमोशनल वीडियो में सुनील शेट्टी को एक दमदार अवतार में दिखाया गया है, जिसमें जैकी श्रॉफ भी अहम भूमिका में हैं।

वीडियो साझा करते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म ने सीरीज का टीजर वीडियो साझा करते हुए लिखा, हंटर वापस आ गया है...याद है ना, यह टूटेगा नहीं, तोड़ेगा। हंटर सीजन 2, जल्द ही अमेजन एमएक्स प्लेयर पर आ रहा है। हालांकि, निर्माताओं ने अभी सीरीज की आधिकारिक रिलीज डेट का एलान नहीं किया है, लेकिन यह शो इसी साल दर्शकों का मनोरंजन करेगा।

वहीं, बात करें सीरीज के कलाकारों की तो सुनील शेट्टी और जैकी श्रॉफ के साथ हंटर 2 में बरखा बिष्ट, अनुषा दांडेकर भी हैं। सीरीज के निर्माता विक्रम मेहरा और सिद्धार्थ आनंद कुमार हैं। सीरीज का निर्माण सारेगामा इंडिया, यूडली फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। प्रिंस धीमान और आलोक बत्रा द्वारा निर्देशित इस सीरीज को खुश मलिक, अली हाजी और वीर ने मिलकर लिखा है।

एआर रहमान की बिगड़ी तबीयत के बीच पत्नी सायरा बानो का बयान- प्लीज मुझे एक्स-वाइफ मत कहो

एआर रहमान की बिगड़ी सेहत के बीच पत्नी सायरा बानो ने एक वॉइस नोट भेजा है और प्रिवेसी की अपील की। सायरा ने यह भी कहा कि उन्हें एक्स-वाइफ न कह जाए, क्योंकि वह और एआर रहमान सिर्फअलग हुए हैं। सायरा ने कहा कि उनका तलाक नहीं हुआ है। वह और एआर रहमान अभी भी पति-पत्नी हैं।

मशहूर सिंगर और कंपोजर एआर रहमान की जब रविवार को अचानक ही तबीयत बिगड़ी, तो फैंस घबरा गए और उनके लिए दुआए मांगने लगे। एआर रहमान को तुरंत ही चेन्नई के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, अब एआर रहमान ठीक हैं। उन्होंने छाती में बेचैनी और दर्द की शिकायत की थी। इसी बीच उनकी पत्नी सायरा बानो का रिएक्शन आया है। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की है कि उन्हें एक्स-वाइफ न बुलाया जाए। मालूम हो कि नवंबर 2024 में एआर रहमान और सायरा बानो ने अलग होने का ऐलान किया था। तभी से उनके तलाक की खबरें भी तेज हो गई थीं। तब सायरा की वकील वंदना शाह ने एक ऑफशियल स्टेटमेंट में कपल के तलाक का ऐलान किया था, और प्रिवेसी की मांग की थी। अब एआर रहमान की बिगड़ी तबीयत के बीच सायरा ने खुद को एक्स-वाइफकहे जाने पर एतराज जताया है।

एआर रहमान की पत्नी का वॉइस नोट

'ईटाइम्स' के मुताबिक, सायरा बानो ने भेजे गए एक वॉइस नोट में कहा, 'मैं उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करती हूं। मुझे खबर मिली है कि उनके सीने में दर्द था और उनकी एंजियोग्राफी हुई है। अल्लाह की कृपा से अब वो ठीक हैं, उन्हें कुछ नहीं है।'

'हम अलग जरूर हुए हैं, तलाक नहीं हुआ

सायरा ने आगे कहा, 'मैं आप सभी को बताना चाहती हूं कि हमारा आधिकारिक रूप से तलाक नहीं हुआ है। हम अभी भी पति-पत्नी हैं। बात बस इतनी सी है कि हम अलग हो गए हैं क्योंकि पिछले दो सालों से मेरी तबियत ठीक नहीं थी और मैं उन्हें बहुत ज्यादा तनाव नहीं देना चाहती थी। लेकिन प्लीज मुझे एक्स-वाइफ न कहें। बात बस इतनी सी है कि हम अलग हो गए हैं, लेकिन मेरी दुआएं हमेशा उसके साथ हैं।

वहीं, चेन्नई के अपोलो अस्पताल ने हेल्थ एडवाइजरी जारी की, और बताया कि एआर रहमान को डिहाइड्रेशन के लक्षण थे। सिंगर की टीम ने भी बताया कि वह रमजान में रोजा रख रहे थे, और शायद इस कारण डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। कुछ समय पहले ही एआ रहमान की पत्नी सायरा बानो को भी इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी इमरजेंसी सर्जरी की गई थी।

सुबह-सुबह चबाएं औषधीय गुणों से भरपूर तुलसी के चार पत्ते

तुलसी के पत्तों में विटामिन सी, जिंक और आयरन जैसे पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि तुलसी के पत्तों में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और एंटी-माइक्रोबियल गुण भी मौजूद होते हैं। आयुर्वेद के मुताबिक तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल दवाई की तरह भी किया जा सकता है। आइए तुलसी के पत्तों को चबाने के कुछ फायदों के बारे में जानते हैं।

बूस्ट करे इम्यूनिटी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक तुलसी के पत्तों को चबाकर आप अपने इम्यून सिस्टम को काफी हद तक मजबूत बना सकते हैं। अगर आप बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, तो आपको तुलसी के पत्तों को अपने डेली डाइट प्लान में जरूर शामिल करके देखना चाहिए। खांसी-जुकाम की समस्या से छुटकारा पाने के लिए भी तुलसी के पत्तों को चबाया जा सकता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अगर आप रेगुलरली तुलसी के पत्तों को चबाते हैं, तो आप अपनी गट हेल्थ को काफी हद तक सुधार सकते हैं। फाइबर रिच तुलसी के पत्ते कब्ज और गैस जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा दिलाने में भी कारगर साबित हो सकते हैं। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको खाली पेट तुलसी के पत्तों को चबाना चाहिए।

कंट्रोल करे ब्लड शुगर

तुलसी के पत्तों को चबाकर ब्लड शुगर लेवल पर काफी हद तक काबू पाया जा सकता है। तुलसी के पत्तों की मदद से आपको बैड ब्रेथ की समस्या से भी छुटकारा मिल सकता है। तुलसी के पत्ते आपकी फिजिकल हेल्थ के साथ-साथ आपकी मेंटल हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। तुलसी के पत्तों में पाए जाने वाले तत्व तनाव को कम करने में भी कारगर साबित हो सकते हैं। कुल मिलाकर तुलसी के पत्ते आपकी ओवरऑल हेल्थ को सुधारने में मददगार साबित हो सकते हैं।

फायदेमंद है अजवाइन, हींग और काला नमक का सेवन

डाइजेशन से जुड़ी समस्याओं को करता है दूर

अजवाइन हींग और काला नमक, तीनों ही डाइजेस्टिव गुणों से भरपूर है। अजवाइन जहां एंटीबैक्टीरियल है वहीं, हींग आपकी सेहत के लिए फायदेमंद है। हींग में कुछ डाइजेस्टिव गुण होते हैं जो कि आंतों के काम काज को तेज करते हैं। इसके अलावा काला नमक पेट में हाइड्रेशन को बढ़ाता है और एक लैक्सटेसिव की तरह काम करता है। इससे आंतों में थोक जुड़ता है और जिससे मल त्याग आसान हो जाता है। इतना ही नहीं ये पेट की कई समस्याओं में भी कारगर तरीके से काम करता है।

आप इन तीन समस्याओं में खाएं अजवाइन हींग और काला नमक

1. कब्ज में

अजवाइन हींग और काला नमक कब्ज की समस्या में कारगर तरीके से काम करते हैं। ये लैक्सटेसिव है जो कि मल त्याग को आसान बनाता है। ये आंतों की गतिविधियों को तेज करता है और मल त्याग को आसान बनाता है। इसके अलावा ये तीनों पानी को सोख लेते हैं और आंतों की गति को तेज कर देते हैं। इसकी वजह से बॉवेल मूवमेंट तेज होता है और मल त्याग को आसान बनाता है।

2. एसिडिटी और अपच में

एसिडिटी और अपच की समस्या में अजवाइन हींग और काला नमक का सेवन फायदेमंद है। ये पेट में बने अतिरिक्त गैस को बाहर निकालने और एसिडिटी को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा ये सीने में जलन और जीआरडी के लक्षणों में कमी लाता है। साथ ही ये पेट के अस्तर को आराम पहुंचाता है जिससे एसिड रिफ्लक्स कम होता है। इतना ही नहीं ये खाना पचाने में मदद करता है जिससे अपच की समस्या नहीं होती है।

3. पेट दर्द में

पेट दर्द में ये तीनों ही चीजें कारगर तरीके से काम आती हैं। दरअसल, ये तीनों एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर है जो कि पेट दर्द से आराम दिलाते हैं। ये आपके पेट में डाइजेस्टिव एंजाइम्स को बढ़ावा देते हैं जिससे पेट हो रही दर्द और सूजन में कमी आती है। तो, अजवाइन हींग और काला नमक का सेवन करें और इन तमाम समस्याओं से छुटकारा पाएं। ये कारगर तरीके से काम करते हैं।

रायगढ़ को विकास की राह पर आगे ले जाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे : वित्त मंत्री ओपी चौधरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायगढ़ जिला पंचायत के नव निर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों का प्रथम सम्मिलन एवं शपथ ग्रहण समारोह नगर निगम ऑडिटोरियम, पंजरी प्लांट में संपन्न हुआ। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वित्त मंत्री चौधरी ने नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि जनता ने जो भरोसा आप पर जताया है, उस पर खरा उतरने के लिए एक टीम के रूप में कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि रायगढ़ जिले में विकास को गति देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए मंत्री श्री चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बीते सवा साल में किसानों को 1 लाख करोड़ रुपये की राशि विभिन्न योजनाओं के तहत अंतरित की गई है। हाल ही में धान खरीदी के अंतर की राशि के रूप में 12 हजार करोड़ रुपये किसानों को दिए गए, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में तेजी आई है।

महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख माताओं और बहनों को प्रतिमाह 1,000 रुपये की सहायता दी जा रही है। सरकार ने आवास निर्माण को प्राथमिकता देते हुए 18 लाख नए आवासों की मंजूरी दी है, जिनका निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से अयोध्या और बनारस के दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराई है। हाल ही में प्रयागराज कुंभ में छत्तीसगढ़ पवेलियन की स्थापना कर राज्य के श्रद्धालुओं को लाभ पहुंचाया गया।

रायगढ़ में विकास की नई इबारत: वित्त मंत्री चौधरी ने रायगढ़ के विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिले में 35 करोड़ रुपये की लागत से नालंदा परिसर का निर्माण प्रारंभ हो चुका है। इतवारी बाजार के सौंदर्यीकरण, ऑक्सीजोन और आदर्श मंडी का कार्य प्रगति पर है। शहर की सड़कों को आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है। केलो परियोजना की नहरों के निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये का बजट जारी किया गया है, साथ ही 291 करोड़ रुपये की अतिरिक्त प्रशासनिक स्वीकृति भी प्रदान की गई है। अन्य विकास कार्यों में सपनई डैम का विस्तार, घरघोड़ा-रायगढ़ और कसडोल-रायगढ़ सड़क निर्माण, रायगढ़ में फिजियोथेरेपी कॉलेज, पुसौर में नर्सिंग कॉलेज, कला एवं संगीत महाविद्यालय, हार्टिकल्चर कॉलेज की स्थापना शामिल हैं।

इस अवसर पर नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिखा रविन्द्र गबेल, उपाध्यक्ष श्री दीपक सिदार एवं सभी नव निर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों ने पंचायती राज अधिनियमों के तहत अपने दायित्वों का निर्वहन करने की शपथ ली।

इस महत्वपूर्ण समारोह में रायगढ़ के लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सारंगढ़ अजय नायक, कलेक्टर कार्तिकेया गोयल, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल, अपर कलेक्टर रवि राही सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

आत्मानंद कॉलेज में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए छात्र-छात्राओं को किया गया पुरूस्कार वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय, कोरबा ने अपने छात्र-छात्राओं की उत्कृष्ट उपलब्धियों का सम्मान करने के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया। समारोह की मुख्य अतिथि डॉ . शिखा शर्मा,प्राचार्य, शासकीय ई. वी .पी.जी. महाविद्यालय,कोरबा, विशिष्ट अतिथि डॉ.सुरेश कुमार रात्रे, प्राचार्य,विद्युत गृह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,कोरबा (पूर्व) की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. डेजी कुजूर के द्वारा किया गया। समारोह का आयोजन छात्र संघ प्रभारी एवं कार्यक्रम समन्वयक सुश्री दिव्या पटेल सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी)एवं सुश्री पूजा सिंह सहायक प्राध्यापक (रसायन) के द्वारा किया गया। समारोह का प्रारंभ दीप प्रज्वलन कर छत्तीसगढ़ का राजकीय गीत उपस्थित विद्यार्थियों एवं अतिथियों के द्वारा गया । इस अवसर पर यशस्वी कौशिक एवं मानसी साहू बी ए द्वितीय सेमेस्टर की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया ।कार्यक्रम समारोह की समन्वयक पूजा सिंह ने के आयोजन का उद्देश्य बताते हुए मुख्य अतिथि डॉ. शिखा शर्मा का परिचय दिया। समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. शिखा शर्मा ने छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा ,कि आप सभी अपना लक्ष्य अपनी रुचि अनुसार चयन करें क्योंकि आपका लक्ष्य ही आपको अपनी मंजिल तक पहुंचाता है, इसलिए अपने लक्ष्य के निर्धारण में किसी की भी न सुने। उन्होंने आगे कहा कि लक्ष्य की प्राप्ति के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ रहे और दूसरों की बातों पर ध्यान न देकर अपने लक्ष्य की ओर एकाग्र होकर आगे बढ़े। प्रेरक कहानी के माध्यम से उन्होंने अपनी बात रखी। कार्यक्रम समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ.एस. के. रात्रे ने अपने संबोधन में कहा कि जितनी सफलता महत्वपूर्ण है उतनी असफलता भी महत्वपूर्ण है इसलिए अपनी असफलता से निराश न होकर निरन्तर सफल होने का प्रयास करें। समारोह की अध्यक्षता कर रही डॉ. डेजी कुजूर ने महाविद्यालय में सत्र 2023-24 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. शिखा शर्मा से स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय, कोरबा में बायो संकाय प्रारंभ करने की मांग की।

अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में विकास की नई रोशनी आजादी के बाद टेकलगुड़ियम में पहुंची बिजली

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशन में छत्तीसगढ़ के दूरस्थ और अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। शासन-प्रशासन के निरंतर प्रयासों से अब वे गांव भी रोशन हो रहे हैं, जो आजादी के बाद से अंधेरे में थे। इसी कड़ी में आकांक्षी विकासखंड कोंटा स्थित पूर्ववर्ती कैंप अंतर्गत नियद नेल्ला नार ग्राम पंचायत पेंटाचिमली के ग्राम टेकलगुड़ियम में पहली बार बिजली पहुंची है। गांव के 75 घरों में बिजली का कनेक्शन दिया गया है, जिससे वहां के निवासियों के जीवन में नई रोशनी आई है।

पहली बार जले बल्ब, ग्रामीणों की आंखों में खुशी

वर्षों से बुनियादी सुविधाओं से वंचित टेकलगुड़ियम के लोगों के लिए यह ऐतिहासिक क्षण रहा। जब गांव में पहली बार बिजली के बल्ब जले तो ग्रामीणों की आंखों में खुशी झलक उठी। शासन द्वारा चलाई जा रही नियद नेल्लानार योजना के तहत इस क्षेत्र में विद्युतीकरण कार्य पूरा किया गया, जिससे अब यहां के लोगों का जीवन और आसान हो सकेगा।

शिक्षा और विकास को मिलेगी गति

बिजली की सुविधा मिलने से गांव में अब कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। बच्चों की पढ़ाई अब पहले से बेहतर हो सकेगी, क्योंकि अब वे रात में भी रोशनी में अध्ययन कर सकेंगे। इसके अलावा छोटे स्तर पर व्यापार और उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा। बिजली आने से डिजिटल सेवाओं का विस्तार होगा, जिससे गांव के लोग सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ आसानी से उठा सकेंगे।

शासन की योजनाओं से संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ रहा विकास

छत्तीसगढ़ सरकार दूरस्थ और माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से विकास कार्य कर रही है। बिजली के अलावा सड़क, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इस पहल से यह साबित हो रहा है कि विकास सिर्फशहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण और संवेदनशील इलाकों को भी इसका पूरा लाभ दिया जा रहा है।

टेकलगुड़ियम के ग्रामीणों का कहना है कि अब वे भी विकास की मुख्यधारा में शामिल हो सकेंगे। स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों ने भी आश्वासन दिया कि आने वाले समय में अन्य जरूरी सुविधाएं भी गांव में मुहैया कराई जाएंगी। इस महत्वपूर्ण परियोजना के सफल क्रियान्वयन में विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता जेकेरकेट्टा एवं उनकी टीम का विशेष योगदान रहा। उन्होंने गांव तक बिजली पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता और मेहनत से कार्य किया।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग की चैंपियन बनी सचिन की टीम, इंडिया मास्टर्स ने वेस्टइंडीज मास्टर्स को 6 विकेट से हराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंटरनेशनल मास्टर्स लीग 2025 का खिताब भारत ने अपने नाम कर दिया। सचिन तेंदुलकर की अगुवाई ने भारतीय टीम ने खेल के हर क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज मास्टर्स को 6 विकेट से मात देते हुए चैंपियनशिप जीत ली। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में सचिन तेंदुलकर ने अपनी चिरपरिचित शैली में बल्लेबाजी की। वहीं अंबाती रायडू ने अपने अक्रामक खेल से वेस्टइंडीज को हावी नहीं होने दिया।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग 2025 के फाइनल में टॉस जीतकर वेस्टइंडीज मास्टर्स के कप्तान ब्रायन लारा ने पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। इंडिया मास्टर्स ने अपने गेंदबाजों के दम पर उसे 148/7 के मामूली स्कोर पर रोक दिया। कैरेबियाई पारी को मुख्य रूप से लेंडल सिमंस के अर्धशतक से मजबूती मिली। ब्रायन लारा (6) ने स्मित के साथ पारी की शुरुआत की। इस जोड़ी ने चार ओवरों में 34 रन बनाकर मजबूत शुरुआत दी लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने हावी नहीं होने दिया।

भारत की ओर से विनय कुमार ने लारा को आउट करके वेस्टइंडीज मास्टर्स के आक्रमण को रोक दिया। इसेक विलियम पर्किन्स (6) शाहबाज नदीम ने आउट किया। नदीम और पवन नेगी की स्पिन जोड़ी के साथ मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। रवि रामपॉल (2) को स्टुअर्ट बिन्नी ने उन्हें सस्ते में आउट कर दिया। नेगी ने फिर एक और बड़ा झटका दिया, चाडविक वाल्टन (6) को छक्का लगाने के तुरंत बाद आउट कर दिया। इंडिया मास्टर्स वेस्ट इंडीज मास्टर्स को 148/7 के स्कोर पर रोक दिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए मास्टर ब्लास्टर तेंदुलकर (25) और अंबाती रायडू (74) की 67 रनों की साझेदारी ने मैच में इंडियन टीम को मजबूत किया। तेंदुलकर और रायडू ने लोगों से खचाखच भरे स्टेडियम में पुराने शॉट्स की याद दिला दी। तेंदुलकर ने अपने खास कवर ड्राइव, फ्लिक से मैदान में दर्शकों में जोश भर दिया। रायडू ने आक्रामक रुख अपनाया और वेस्टइंडीज मास्टर्स की गेंदबाजी को ध्वस्त कर दिया।

51 वर्षीय स्टार सचिन ने 18 गेंदों की अपनी पारी के दौरान 2 चौके और एक छक्का लगाया। रायडू ने 34 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जबकि गुरकीरत सिंह मान (14) के साथ उनकी दूसरे विकेट की साझेदारी ने भारतीय टोटल में 28 रन जोड़े। रायडू 50 गेंदों में 74 रन की पारी खेली। अपनी पारी में 9 चौके और 3 छक्के लगाने के बाद बाएं हाथ के स्पिनर सुलेमान बेन का शिकार बने। इसके बाद यूसुफपठान को नर्स ने आउट कर दिया। हालांकि, अंतिम 28 गेंदों पर भारत को 17 रन की जरूरत थी। स्टुअर्ट बिन्नी (नाबाद 16) ने 2 विशाल छक्के लगाकर इंडिया मास्टर्स को जीत तक पहुंचा दिया।

आई.एफ.सी. एंकर पद के लिए आवेदन 25 तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। एकीकृत फार्मिंग क्लस्टर अंतर्गत आईएफसी एंकर ग्रामीण क्षेत्रों के आजीविका सवंर्धन हेतु फार्म, ऑफ फार्म एवं नॉनफार्म आजीविका अंतर्गत विभिन्न कार्य जैसे एग्रो इकोलॉजिकल पद्धति, मिट्टी के स्वास्थ्य और जल स्तर में सुधार, फसल विविधीकरण और उत्पादकता में सुधार एवं एग्री न्यूट्री गार्डन के माध्यम से पोषण में सुधार, पशुधन प्रबंधन, नस्ल में सुधार, समय पर पशु चिकित्सा, देखभाल और टीकाकरण को अपनाकर महिला स्व सहायता समूह सदस्यों मुख्यत: महिला किसानों एवं पशुपालकों के आजीविका स्तर को बढ़ाने हेतु राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत क्लस्टर संगठन को क्रियान्वयन एजेंसी के रूप में चयनित किया गया है। इस कार्य के संचालन एवं क्रियान्वयन हेतु आई.एफसी. एंकर की भर्ती की जानी है। जिस हेतु इच्छुक व पात्र उम्मीदवारों के आवेदन आमंत्रित है।

आवेदन करने की प्रारंभिक तिथि 13 मार्च 2025 से अंतिम तिथि 25 मार्च 2025 को समय शायं 5.00 बजे अपरान्ह तक कार्यालय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत, छिंदगढ़ जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ के पते पर रजिस्टर्ड डाक द्वारा प्रेषित किये जा सकते है। उक्त आईएफसी एंकर की भर्ती पूर्णकालिक के लिए ही होगी। यह भर्तियां पूर्ण रूप से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत गठित क्लस्टर संगठन के स्वामित्व के अधीन होगी। इसका किसी भी शासकीय, अर्द्ध-शासकीय, निजी संस्था से कोई संबंध नहीं है।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

किन्नरों के गुट ने युवक को पीटा सोशल मीडिया में वीडियो वायरल

रायपुर। राजधानी रायपुर में होली के दौरान किन्नरों के गुट ने युवक को बेरहमी से पीटा। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना के बाद भी पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

वायरल वीडियो में कुछ किन्नर युवक को हाथ और मुक्कों से मारते हुए नजर आ रहे हैं। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश है। वही पुलिस की पेट्रोलिंग पार्टी के प्रधान आरक्षक इस मारपीट को रोकने का भी प्रयास कर रहे थे मगर किन्नरों ने उस युवक को पीटने में कोई कसर नहीं छोड़ी। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही इस पर बयान जारी करने की संभावना है।

कांकेर कोतवाली थाना परिसर में लगी आग, जब्त गाड़ियां जलकर खाक

कांकेर (ए.)। जिले के कोतवाली थाना परिसर में रविवार को भीषण आग लग गई, जिससे वहां खड़ी जब्त वाहन जलकर खाक हो

गईं। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंचकर लगभग आ घंटे बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। आग कैसे लगी यह अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है, लेकिन आगजनी से लाखों के नुकसान की संभावना है। बताया जा रहा है कि आग सबसे पहले जब्त वाहनों में लगी और तेजी से फैल गई। इस आग से देखते ही देखते कई गाड़ियां इसकी चपेट में आ गई।

मिल जानकारी के अनुसार कोतवाली परिसर में खड़ी जब्त गाडियों से धुंआ उठता देख तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई, लेकिन फायर ब्रिगेड जब तक मौके पर पंहुचती तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था। फायर ब्रिगेड की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला और आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। आग में कई गाडिया पूरी तरह जलकर खाक हो गई है। पुलिस के द्वारा अब पूरे मामले की जांच की बात कहीं जा रही है।

युवती की संदिग्ध मौत, दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप

मनेंद्रगढ़ (ए.)। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के चिरमिरी क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। गोदरीपारा आमानाला स्थित सामुदायिक भवन में एक 25 वर्षीय युवती का शव फंदे से लटका हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही चिरमिरी थाना प्रभारी विवेक पाटले पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया कि युवती के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या की गई है। इस घटना से आक्रोशित लोग चिरमिरी थाने पहुंच गए और न्याय की मांग करने लगे। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी विवेक पाटले ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है।

एसईसीएल में हादसा: मालगाड़ी को ट्रक ने मारी टक्कर

सामने आई हादसे की वजह, चालक की बची जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। दीपका एसईसीएल सिरकी रेलवे साइडिंग पर एक बड़ी घटना सामने आई है। जहां रेलवे ट्रैक पर ओपन फाटक पार कर रही एक मालगाड़ी को ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक की रफ्तार इतनी तेज थी कि मालगाड़ी के सबसे पीछे वाले हिस्से में गार्ड ब्रेक डिब्बा पटरी से नीचे उतर गया। इस हादसे के बाद हड़कंप मच गया। देखते ही देखते राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई। इस हादसे में ट्रक चालक को मामूली चोंटे आई हैं। वहीं इसकी सूचना संबंधित एसईसीएल प्रबंधन विभाग और रेलवे प्रबंधन को भी दी गई। जहां रेलवे आरपीएफकी टीम मौके पर पहुंचे घटनाक्रम की जानकारी ली।

बताया जा रहा है कि दीपका एसईसीएल सिरकी रेलवे साइडिंग पर मालगाड़ी ओपन फाटाक से गुजर रही थी। इस दौरान ट्रक तेज रफ्तार में आया और चालक को लगा कि वह मालगाड़ी आगे निकल जाएगी लेकिन ट्रक की रफ्तार अधिक होने के कारण मालगाड़ी के सबसे अंतिम गार्ड ब्रेक डिब्बा पर जा टकराया। जहां वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि वाहन की रफ्तार इतनी तेज थी कि आवाज आने के बाद लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। वहीं मालगाड़ी के गार्ड ब्रेक का डिब्बा पटरी से उतर गया। साइडिंग के तीन नम्बर पटरी पर हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद रेलवे ट्रैक जाम हो गया। और कोयला परिवहन ट्रैक पर प्रभावित हो गया।

बताया जा रहा है कि कहीं न कहीं एसईसीएल दीपका प्रबंधन की बड़ी लापरवाही सामने आई है। एसईसीएल का साइडिंग है और ओपन फाटक बनाया गया है। इसी तरह की कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। जिसके चलते यह हादसा सामने आया है। इस फाटक पर सुरक्षाकर्मी भी तैनात नहीं किए गए हैं। ओपन फाटक होने के चलते कभी भी और बड़ी दुर्घटना घट सकती है। इससे पहले भी कई बार दीपका रेलवे क्रॉसिंग पर घटना घट चुकी है। जहां ट्रक ने मालगाड़ी को टक्कर मारी थी। लगातार घट रही घटना से संबंधित विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। ऐसे में कोयला परिवहन भी प्रभावित हो रहा है। वहीं आम लोगों को जान माल का भी खतरा बना हुआ है। सूचना मिलते ही कोरबा रेलवे प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची और रेलवे आरपीएफ पहुंची। रेलवे आरपीएफ प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि सूचना पर रेलवे के आरडी टीम पहुंची। मौके पर जहां मालगाड़ी को पटरी पर लाने के लिए मरम्मत जारी है। वहीं आगे की कार्यवाही की जा रही है।

ग्रामीणों ने की कुख्यात बदमाश की हत्या, आतंक से परेशान थे लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में कुख्यात बदमाश की ग्रामीणों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। ग्रामीण बदमाश के आतंक से परेशान थे। आए दिन लोगों को धमकी देना व डराना उसकी आदत बन चुकी थी। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में कई मामले दर्ज थे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच रही है।

मिली जानकारी के अनुसार बिरेझर चौकी के मड़ेली गांव में एक कुख्यात बदमाश की हत्या कर दी गई है। मृतक का नाम बिट्टा बताया जा रहा है, जो इलाके का जाना-माना अपराधी था। उसने अपनी आपराधिक गतिविधियों से आम लोगों का जीना मुश्किल कर रखा था, और उसके खिलाफ विभिन्न थानों में कई मामले दर्ज थे। बिट्टा की हत्या गांव के ही परेशान निवासियों ने की है। ग्रामीणों ने पहले उसकी जमकर पिटाई की, और अस्पताल ले जाते समय उसने दम तोड़ दिया। पुलिस इस मामले में संलिप्त लोगों की पहचान में जुट गई है।

खेत में काम कर रहे लोगों पर जंगली सूअर ने किया हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। जिले के ग्राम पीपरछेड़ी में शनिवार सुबह एक जंगली सूअर ने खेत में काम कर रहे बुजुर्ग दंपती पर हमला कर दिया। इस हमले में 63 वर्षीय समारी बाई साहू गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि उनके पति स्पत राम साहू (65 वर्ष) को भी चोटें आईं। परिजनों ने उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद समारी बाई को रेफर कर दिया गया। समारी बाई अपने पति, बेटे महेश कुमार साहू और बहू सुनीति साहू के साथ खेत में काम कर रही थीं। अचानक पास के खेत से एक जंगली सूअर खेत में घुस आया और स्पत राम साहू पर हमला कर दिया। हमले में वे गिर पड़े, जिसके बाद सूअर ने समारी बाई पर जोरदार टक्कर मारी, जिससे उनकी पैर की हड्डी टूट गई।

परिवार के अन्य लोगों ने शोर मचाया, तब जाकर सूअर वहां से भाग निकला। घायल महिला को निजी वाहन से अस्पताल ले जाया गया, क्योंकि कई बार 108 एम्बुलेंस को फोन करने के बाद भी संपर्क नहीं हो पाया। जिला अस्पताल में समारी बाई का इलाज किया गया, लेकिन गंभीर स्थिति को देखते हुए निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया, जहां उन्हें दो यूनिट रक्त चढ़ाया गया और ऑपरेशन कर पैर में रॉड डाली गई। घायल की बहू सुनीति साहू, जो कि गांव की उपसरपंच भी हैं, ने बताया कि वन विभाग की ओर से जंगली सूअर के भटकने की कोई सूचना नहीं दी गई थी। जबकि ग्रामीणों का कहना है कि सूअर सुबह से ही कई गांवों में आतंक मचा रहा था। वन विभाग ने पीड़ित परिवार को 2,000 रुपये की सहायता राशि दी है, लेकिन परिजनों ने उचित मुआवजे की मांग करते हुए रेंजर कार्यालय में आवेदन दिया है।

भिलाई में बीमारी से तंग आकर डॉक्टर ने की आत्महत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई के सुपेला के कांट्रैक्टर कॉलोनी वार्ड 6 में रहने वाले 61 वर्षीय डॉ. आरती राम साहू ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उनके पास से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उन्होंने परिवार के लोगों को परेशान न करने की बात लिखी है। सुपेला पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक डॉ. आरती राम साहू गायत्री प्रज्ञापीठ रामनगर मुक्तिधाम भगवती संस्थान के वरिष्ठ कार्यकर्ता थे। वो कांट्रैक्टर कॉलोनी में ही अपना क्लीनिक चलाते थे।

कांग्रेस पार्षद लालचंद वर्मा ने बताया कि डॉ. साहू काफी सपन्न परिवार से हैं। घर में उनकी पत्नी के साथ उनके दो बेटे और एक बेटी हैं। वो नाती-नातिनों के साथ काफी समय बिताते थे। लालचंद वर्मा ने बताया कि वो उनके काफी अच्छे मित्र थे। जब भी मिलते तो काफी देर तक चर्चा करते। उन्होंने बताया कि आरती राम राहू का शरीर थोड़ा भारी था, इसके चलते उन्हें घुटनों में दर्द की समस्या थी। वो चल फिर नहीं पाते थे। इसको लेकर वो कई बार उनसे चर्चा किए थे कि वो इस बीमारी से काफी परेशान हैं।

उनके पास से एक छोटा से सुसाइड नोट भी मिला है। उसमें उन्होंने लिखा है कि वो अपनी बीमारी से परेशान हैं। इसलिए ऐसा कर रहे हैं। उनके परिवार के लोग काफी अच्छे हैं। उन्हें उनसे कोई शिकायत नहीं है। डॉ. आरती राम साहू ने पहले से ही सुसाइड करने का मन बना लिया था। उन्होंने फंदा तैयार करने के लिए एक दिन पहले दुकान से नई नायलोन की रस्सी खरीदी थी। इसके बाद उसे झोला में रखा था। 15 मार्च की सुबह उन्होंने घर में नाश्ता किया और झोला लेकर निकल गए। जाने से पहले उन्होंने अपने नाती-नातिनों को बुलाया उन्हें दुकान ले गए और चॉकलेट भी दिलाई थी।

इसके बाद वो पैदल रास्ते चंद्रा मौर्या टॉकीज के पीछे रेलवे ट्रैक की तरफ गए। वहां जंगल वाले एरिया में एक पेड़ से फंदा बनाया और उसमें झूल गए। शाम को जब लोगों ने उन्हें फंदे पर लटका देखा तो पुलिस और घरवालों को सूचना दी। रविवार को डॉ. साहू के शव का पोस्टमार्टम किया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इसके बाद दोपहर 12 बजे रामनगर मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनकी मौत के बाद पूरे परिवार में मातम पसर गया है।

इंजीनियर के घर चोरी, डीवीआर भी ले गए चोर

कोरबा (ए.)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। बालको निवासी इंजीनियर अनुराग गाड़िया के घर चोरों ने धावा बोल दिया। घटना के समय अनुराग गाड़िया और उनकी पत्नी अंशु मालनी गाड़िया, जो कि सीसीएल हॉस्पिटल में नर्स हैं, अपनी बेटी के एडमिशन के लिए बाहर गए हुए थे। रविवार सुबह नौकरानी रजनी बाई जब घर की सफाई के लिए पहुंची, तो उसने मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ देखा। उसने तुरंत मकान मालिक और पड़ोसियों को सूचना दी, जिसके बाद मानिकपुर चौकी पुलिस को खबर दी गई।

चोरों ने सीसीटीवी कैमरा और डीवीआर भी चुराया चौकी प्रभारी नवीन पटेल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। बेडरूम की अलमारी टूटी मिली और पूरा कमरा अस्त-व्यस्त था। चोरों ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरों को तोड़ दिया और डीवीआर भी साथ ले गए, ताकि उनकी पहचान न हो सके। फ्लिहाल नौकरानी को चोरी की

गई रकम का अंदाजा नहीं, लेकिन रिश्तेदारों ने फोन पर बातचीत के आधार पर लगभग 2 लाख रुपए की चोरी की आशंका जताई है। पुलिस कर रही जांच, मकान मालिक के लौटने पर होगा वास्तविक आंकलन मानिकपुर चौकी प्रभारी नवीन पटेल ने बताया कि चोरी में हुए वास्तविक नुकसान का आंकलन मकान मालिक के लौटने के बाद ही हो सकेगा। फ्लिहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार ने युवकों को कुचला, चालक फरार

धमतरी। जिले से एक बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है। यहां एक अनियंत्रित कार ने ग्रामीणों को कुचल दिया। इस हादसे में दो ग्रामीणों की मौके पर ही मौत हो गई और 4 लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घायलों में से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, धमतरी जिले के कुरुद के दरबा में ये हादसा हुआ है। यहां एक अनियंत्रित कार ने ग्रामीणों को कुचल दिया। इस हादसे में दो ग्रामीणों की मौके पर ही मौत हो गई और 4 लोग घायल हुए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही बिरेझर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। घायलों में से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

भाई की पिटाई का बदला लेने दे दिया वारदात को अंजाम

रायगढ़ (ए.)। कुछ लोगों ने मिलकर एक युवक की लात-घूसों से पिटाई कर दी। साथ ही चाकू से उसके सिर पर भी वार कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के मुताबिक अमली भौना क्षेत्र में रहने वाला आकाश यादव (28) रविवार को अपने 3 दोस्तों के साथ पचधारी डैम गया हुआ था। जहां आकाश डैम से दूर अपनी बाइक में बैठा था और उसके दोस्त डैम में नहा रहे थे। तभी कुछ युवक वहां पहुंचे और उसमें से एक युवक मेरे भाई को मारा है कहकर मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद उसके साथियों ने भी उसकी पिटाई कर दी।

इसी दौरान किसी ने चाकू से आकाश के सिर पर वार कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मारपीट की घटना को अंजाम देकर सभी युवक वहां से भाग गए। घटना के बाद आकाश को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां उसके सिर पर करीब सात टांके लगे। इसके बाद घायल अपने परिजनों के साथ कोतवाली पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराया। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी एनू देवांगन ने बताया कि पचधारी में युवक नहाने गए थे। तभी मारपीट की घटना हुई है। युवक के सिर पर चोट आई है। पचधारी प्रतिबंधित क्षेत्र है। फ्लिहाल मामले में अपराध कायम पुलिस आगे की जांच कर रही है।

विवाद सुलझाने गए युवक पर हमला

जांजगीर-चांपा (ए.)। जिले के चांपा थाना क्षेत्र में शनिवार रात एक युवक पर जानलेवा हमला हुआ। विवाद को सुलझाने गए युवक पर आरोपी ने बर्फ काटने की नुकीली सूजे से 15-16 वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना चांपा थाना क्षेत्र के जगदल्ला रोड की है। पीड़ित रवि महंत रात करीब 10 बजे किराना दुकान पर सामान लेने गया था। रात 12:40 बजे उसने देखा कि कमलेश साहू और अजय मिर चांदनी के बीच पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद हो रहा है। जब रवि ने मामले को शांत कराने की कोशिश की। तो कमलेश ने गाली-गलौज करते हुए बर्फ काटने की नुकीली सूजे से ताबड़तोड़ वार कर दिया।

दुर्ग में यातायात पुलिस शुरू करेगी ऑपरेशन-सुरक्षा अभियान

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर होगी सख्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग-भिलाई में यातायात पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले, बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चलाने वाले एवं माल वाहक वाहनो में सवारी ले जाने वाले पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए यातायात पुलिस द्वारा ऑपरेशन-सुरक्षा अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत प्रतिदिन शराब वाहन चेकिंग के लिए अलग अलग जोन में फिक्स पाइंट लगाए जाएंगे। ऐसे वाहन चालको के लायसेंस भी निलंबन कराने की कार्यवाही भी की जाएगी। रविवार को एएसपी यातायात ऋचा मिश्रा ने यातायात विभाग के अधिकारियों व कर्मियों की बैठक लेकर इस संबंध में निर्देश दिए।

बिना हेलमेट दो पहिया वाहन एवं नशे के हालात में सड़क दुर्घटना में होनी वाली मौत को रोकने के प्रयास में सभी यातायात जोन प्रभारी एवं टैगो मोबाइल का मीटिंग लेकर निर्देश दिये गये। ऑपरेशन-सुरक्षा के तहत नशे की हालत में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने शराब का सेवन कर वाहन चलाने वाले, बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चलाने वाले एवं माल वाहक में सवारी बैठाकर परिवहन करने वाले वाहन चालको के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने का निर्णय लिया गया।

यातायात पुलिस द्वारा 6 फिक्स वाहन चेकिंग पॉइंट लगाए जाएंगे, जिसमें वाहन चालकों को ब्रिथएनालाइजर मशीन से चेक किया जाएगा। वाहन चालक नशे के हालात में पाये जाने पर उनके वाहन जब्त किए जाएंगे और उन्हें न्यायालय पेश किया जाएगा। साथ ही वाहन चालकों के लायसेंस निलंबन के लिए परिवहन विभाग को भेजा जाएगा।

सीएम साय ने जशपुर में किया विमान उड़ान प्रशिक्षण का शुभारंभ, एनसीसी कैडेट्स का बढ़ाया उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

राज्य सरकार युवाओं को बनाएगी पायलट, हर संभव सहायता होगी उपलब्ध

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को जशपुर जिले में विमान उड़ान प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। सीएम साय ने आगडीह हवाई पट्टी में 3 सीजी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी रायपुर के कैडेट्स से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कैडेट्स के अनुभव सुने और जशपुर में पहली बार शुरू हुए विमान उड़ान प्रशिक्षण को एक ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने कहा कि जशपुर अब केवल पर्यटन और प्राकृतिक सौंदर्य का केंद्र नहीं, बल्कि विमानन प्रशिक्षण का नया हब भी बन रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को हर क्षेत्र में करियर निर्माण के लिए आवश्यक संसाधन और अवसर प्रदान करने के लिए संकल्पबद्ध है। अब युवा पायलट बनने का भी सपना साकार कर सकते हैं, जिसके लिए सरकार हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर माइक्रो लाइट एयर स्क्वाड्रन विमान का अवलोकन किया और उसकी तकनीकी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कैडेट्स को जशपुर के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण करवाया जाए, ताकि वे जिले के प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता से परिचित हो सकें। उन्होंने यह भी बताया कि जशपुर में काजू, चाय पत्ती, नाशपाती और सेब की खेती बड़े पैमाने पर हो रही है, जिससे यहां की कृषि को नया आयाम मिला है।

कैडेट्स का उत्साह - एयरफोर्स पायलट बनने का सपना साकार होगा

प्रशिक्षु नितेश प्रजापति ने बताया कि जशपुर का स्वच्छ और खूबसूरत वातावरण उड़ान प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयुक्त है। उन्होंने कहा, मेरा सपना एयरफोर्स पायलट बनने का है, और यह प्रशिक्षण मुझे उस दिशा में आगे बढ़ने में मदद करेगा। इसी तरह प्रांशु चौहान ने बताया कि जशपुर में एयर ट्रैफिक साफ-सुथरा रहता है, जिससे उड़ान में कोई बाधा नहीं आती। रनवे भी पूरी तरह से क्लियर रहता है, जिससे प्रशिक्षण बिना किसी रुकावट के संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा, प्राकृतिक सुंदरता के बीच प्रशिक्षण लेना हमारे लिए हमेशा यादगार रहेगा।

पहली बार जशपुर में विमान उड़ान प्रशिक्षण

जशपुर जिले में 7 मार्च 2025 से कैडेटों को सुबह विमान उड़ाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के दौरान विमान आकाश में उड़ान भरने के बाद सुरक्षित लैंड करता है, जिससे कैडेट्स को व्यावहारिक अनुभव मिलता है। रायपुर से बाहर पहली बार जशपुर जिले में इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिससे कैडेट्स में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। सरगुजा आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष गोमती साय, विधायक रायमुनी भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, सरगुजा कमिश्नर नरेंद्र कुमार दुग्गा, आईजी अंकित गर्ग, कलेक्टर रोहित व्यास, एसएसपी शशि मोहन सिंह, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सहित जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित थे।

ट्विन-सीटर SW-80 विमान से दी जा रही ट्रेनिंग

आगडीह हवाई पट्टी की लंबाई 1200 मीटर और चौड़ाई 25 मीटर है। यहां सिंगल इंजन ट्विन-सीटर वायरस SW-80 विमान से कैडेट्स को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो 20,000 फीट की अधिकतम ऊंचाई तक उड़ सकता है। हालांकि, फिलहाल प्रशिक्षण के लिए 1,000 फीट की ऊंचाई तक ही उड़ान संचालित की जा रही है। कमांडिंग ऑफिसर ने बताया कि एनसीसी एयर विंग के सी सर्टिफिकेट में उच्च ग्रेडिंग प्राप्त करने वाले कैडेट्स सीधे एयरफोर्स इंटरव्यू के लिए पात्र माने जाते हैं, जिससे यह प्रशिक्षण उनके सुनहरे भविष्य की नींव रखता है।

सीएम साय ने जिला अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को दिलाई शपथ, कहा-

शोषित-पीड़ितों को न्याय दिलाने करें कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जशपुर जिला व्यवहार न्यायालय में आयोजित जिला अधिवक्ता संघ के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और उन्हें न्यायिक सेवा के प्रति समर्पण का संकल्प दिलाते हुए शुभकामनाएं दीं। समारोह में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मंसूर अहमद, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जनार्दन खरे, विधायक गोमती साय और रायमुनी भगत सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

शपथ ग्रहण करने वालों में अध्यक्ष ओम प्रकाश साय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जनार्दन प्रसाद सिन्हा, कनिष्ठ उपाध्यक्ष दीपिका कुजूर, सचिव सत्य प्रकाश तिवारी, सह सचिव सूरज चौरसिया, कोषाध्यक्ष सुचेन्द्र कुमार सिंह, ग्रंथपाल गोपाल प्रसाद रवानी और क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक सचिव सत्येन्द्र जोल्हे शामिल थे। मुख्यमंत्री साय ने अधिवक्ता संघ के सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र की रीढ़ है और अधिवक्ताओं की इसमें प्रमुख भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं को पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ न्याय प्रक्रिया को तेज करने में योगदान देना चाहिए, ताकि समाज के सबसे वंचित तबके को भी न्याय सुलभ हो सके।

बार काउंसिल के जीर्णोद्धार एवं ई-लाइब्रेरी के लिए 1 करोड़ रुपये की घोषणा

मुख्यमंत्री साय ने अधिवक्ताओं के लिए सुविधा और संसाधनों को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए बार काउंसिल के जीर्णोद्धार और ई-लाइब्रेरी के निर्माण हेतु 1 करोड़ रुपये की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के इस दौर में ई-लाइब्रेरी से अधिवक्ताओं और कानून के छात्रों को नवीनतम विधिक जानकारी और अद्यतन संदर्भ सामग्री तक सहज पहुंच प्राप्त होगी। इससे न्यायिक प्रक्रियाओं में दक्षता बढ़ेगी और नए अधिवक्ताओं को अध्ययन व अनुसंधान के बेहतर अवसर मिलेंगे।

न्यायपालिका और अधिवक्ता संघ का अटूट रिश्ता - प्रधान जिला न्यायाधीश

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मंसूर अहमद ने कहा कि न्यायपालिका और अधिवक्ता संघ के बीच अटूट रिश्ता है, और दोनों को मिलकर समाज में न्याय और विधि व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने अधिवक्ताओं को न्याय की गरिमा बनाए रखने और विधिक सेवा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने की अपील की। इस अवसर पर वक्ताओं ने अधिवक्ताओं की समाज में भूमिका, विधिक सहायता की आवश्यकता और न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के उपायों पर विचार साझा किए। शपथ ग्रहण समारोह में कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह, पवन साय, कृष्ण कुमार राय, रामप्रताप सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिवक्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जशपुर अधिवक्ता संघ की ऐतिहासिक भूमिका और न्याय की परंपरा

मुख्यमंत्री साय ने जशपुर जिला अधिवक्ता संघ के ऐतिहासिक योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि यह संघ हमेशा से सामाजिक न्याय और विधिक सेवा में अग्रणी रहा है। उन्होंने भारतचंद काबरा, बालासाहेब देशपांडे और नरहरि साय जैसी विभूतियों का स्मरण करते हुए कहा कि इन सभी ने शोषित, पीड़ित और वंचित लोगों को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने अधिवक्ताओं से आह्वान किया कि वे इस परंपरा को बनाए रखते हुए लोगों के अधिकारों की रक्षा करें और उनके लिए न्याय की राह को सुगम बनाएं।

बस्तर पंडूम 2025 : स्थानीय लोककला एवं सांस्कृतिक परंपरा को बढ़ावा देने छत्तीसगढ़ शासन की अभिनव पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छ.ग. शासन मुख्य सचिव कार्यालय महानदी भवन, मंत्रालय का पत्र क्र./ 106 /ओ.एस.डी./ मु.स.का./ 2025 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 24.02.2025 द्वारा जनजाति बाहुल्य बस्तर संभाग की स्थानीय कला एवं सांस्कृतिक परंपरा से परिपूर्ण बस्तर अंचल के लोककला, शिल्प, तीज-त्यौहार, खानपान, बोली-भाषा, रीति-रिवाज, वेश-भूषा, आभूषण, वाद्ययंत्र, पारंपरिक नृत्य, गीत-संगीत, लोकनाट्य, पेयपदार्थों के मूल स्वरूप को संरक्षण संवर्धन एवं कला समूहों के सतत् विकास तथा जनजातीय कलाकारों को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने के उद्देश्य से बस्तर पंडूम 2025 का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन तथा मार्गदर्शन में सुकमा जिले में बस्तर पंडूम 2025 का आयोजन किया जाएगा।

विकासखंड स्तरीय बस्तर पंडुम प्रतियोगिता का आयोजन 17 मार्च से 19 मार्च तक सभी विकासखंडों में किया जाएगा। प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए सर्व एसडीएम (सुकमा/कोंटा/छिंदगढ़) को नोडल अधिकारी और सर्व जनपद सीईओ को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है तथा उनके सहयोग के लिए संबंधित मंडल संयोजक और खंड स्त्रोत समन्वयक की ड्यूटी लगाई गई है। विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता के पश्चात विजयी प्रतिभागियों के जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 21 मार्च से 23 मार्च तक जिला मुख्यालय सुकमा में किया जाएगा। प्रतियोगिता के सुचारू क्रियान्वयन के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती नम्रता जैन को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

मुख्यमंत्री साय राष्ट्रीय कन्नौजिया सोनार महापरिवार के प्रतिभा सम्मान समारोह में हुए शामिल

सोनार समाज सामाजिक सेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य कर रहा है : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज जशपुर विकासखंड के श्याम पैलेस में आयोजित राष्ट्रीय कन्नौजिया सोनार महापरिवार जशपुर मंडल के प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हुए। उन्होंने समाज को सामाजिक भवन के निर्माण के लिए 25 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। इस अवसर पर उन्होंने कक्षा 10वीं और 12वीं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले, आईआईटी और मेडिकल प्रवेश परीक्षा में सफलता पाने वाले होनहार छात्रों को प्रतीक चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

सोनार समाज के सामाजिक कार्यों की सराहना

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि सोनार समाज सामाजिक सेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर, निर्धन बेटियों के विवाह, रक्तदान शिविर और वृक्षारोपण जैसे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के ये प्रयास दूसरों के लिए भी प्रेरणादायक हैं और इससे पूरे समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन को नई दिशा देती है और उसके रहन-सहन को संवारती है। उन्होंने सोनार समाज से अपील की कि वे अपने बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाएं और कमजोर परिवारों के बच्चों को भी पढ़ाई में सहयोग दें। उन्होंने कहा कि शिक्षा सबसे बड़ा हथियार है, जिससे न केवल व्यक्ति का भविष्य उज्ज्वल होता है, बल्कि पूरे समाज की प्रगति सुनिश्चित होती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि उनकी सरकार को बने 15 महीने हो चुके हैं, और इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की गारंटी को पूरा करने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, कृष्णा राय, डॉ. राम प्रताप सिंह, श्री विजय आदित्य सिंह जूदेव, सोनार समाज के जिला अध्यक्ष श्री विकास सोनी सहित बड़ी संख्या में सोनार समाज के लोग उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना से बिजली बिल हुआ शून्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी ऊर्जा नीति के तहत प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना देशभर में लोगों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। इस योजना का लाभ लेकर राजनांदगांव के अनुपम नगर निवासी रमेश एम. चावडा ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित किया है।

उन्होंने बताया कि 1.90 लाख रुपए की लागत वाले इस प्लांट के लिए केंद्र सरकार से 78 हजार रुपए की सब्सिडी मिली, जिससे उनके लिए यह प्लांट लगाना आसान हो गया। श्री चावडा बताते हैं कि रूफटॉप सोलर प्लांट के चलते उनके बिजली बिल में भारी कमी आई है। इतना ही नहीं, नेट मीटरिंग प्रणाली के तहत अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजकर आय अर्जित करने का अवसर भी मिला। यानी, जितनी बिजली उनके घर में खपत होती है, उससे अधिक बिजली उत्पादन होने पर वह अतिरिक्त बिजली सरकार को बेच सकते हैं, जिससे न केवल उनका बिजली बिल शून्य हो गया बल्कि कुछ अतिरिक्त आय भी हो रही है। श्री चावडा ने प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना की सराहना करते हुए कहा कि यह योजना न केवल बिजली बिल बचाने में मददगार है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे रही है। इससे कोयला और पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम हो रही है, और ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा मिल रहा है।

इस योजना के तहत सरकार 30 हजार से 78 हजार रुपए तक की सब्सिडी प्रदान कर रही है। 3 किलोवाट से अधिक क्षमता वाले प्लांट पर अधिकतम 78 हजार रुपए तक का अनुदान मिलता है। इसके अलावा, यदि उपभोक्ता को बाकी राशि के लिए आर्थिक सहायता की जरूरत हो, तो सरकार 7 प्रतिशत ब्याज दर पर बैंक ऋण की सुविधा भी प्रदान कर रही है।

इसके बाद, वेब पोर्टल पर सूचीबद्ध अधिकृत वेंडर का चुनाव कर, बिजली विभाग के सहयोग से आवेदन पूरा किया जाता है। वेंडर द्वारा प्लांट लगाने और डिस्कॉम द्वारा नेट मीटर स्थापित करने के बाद, सरकार की ओर से सब्सिडी सीधे उपभोक्ता के खाते में जमा कर दी जाती है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना के तहत छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में लाखों परिवारों को सौर ऊर्जा से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। यह योजना न केवल घर-घर मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त कर रही है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को भी साकार कर रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950